



04 - भाषा में संयम बनाना
आवृत्त की भाषा



05 - सुमित्रानंदन पंत:
कविता के आकाश में
हिमालय सा व्यक्ति



06 - सरकार की प्राथमिकता
आम नागरिकों को समय
पर रहत पहुंचाना...



07 - जल संवाद में
पर्यावरण पत्रकार
कुमार सिद्धार्थ...

कह

subhasaverenews@gmail.com
facebook.com/subhasaverenews
www.subhasavere.news
twitter.com/subhasaverenews

शहर की सुबह

आओ बैठो बात करेंगे
हर मंजर वीराने की
तुमको इतनी जल्दी क्या है
अपना दर्द सुनाने की
पहले ये बतलाओ तुमने
खुद कितने घर फूँके हैं
फिर समझाना सारी बातें
अपना घर जल जाने की
तुमने ही तो मासूमों को
खुद हथियार थमाए थे
अब क्यों तुमको चिंता इतनी
उनकी अर्थी आने की
अब अपनों का खून बहा तो
क्यों रोते चिल्लाते हो
तुमने ही आदत डाली थी
सबका खून बहाने की
तुम ही रक्वो जन्मत,
हूँ हमको अपना देश भला
हम काफिर हैं, हमको
आदत है यूँ ही मर जाने की।

- समीक्षा सिंह

परंपरा, विज्ञान और कॉर्पोरेट का अनोखा संगम

भोपाल। मध्य प्रदेश में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से चल रहे 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत अब तक 1.77 लाख से अधिक कार्य पूरे किए जा चुके हैं। इसी कड़ी में उज्जैन में शिप्रा तीर्थ परिक्रमा और भोपाल में सदानीरा समागम जैसे सांस्कृतिक व राष्ट्रीय स्तर के आयोजन किए जाएंगे, जिनमें देश-विदेश के विशेषज्ञ और कलाकार शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार और महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक एवं वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश जल आत्मनिर्भरता का एक नया इतिहास लिख रहा है। नदी, तालाब, जल संरचनाओं को संरक्षित व संवर्धित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा उज्जैन में 25-26 मई को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा की जा रही है। इसमें लोक गायिका मैथिली ठाकुर

प्रसंगवश

क्यों शी की 'थ्यूसीडाइड्स ट्रेप' थ्योरी रणनीतिक मजाक है..

आर. जगन्नाथन

मजाक, अगर शी उसे समझ सकें, तो उन्हीं पर भारी पड़ सकता है। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि भारत के उभार को देखकर चीन भी 'थ्यूसीडाइड्स ट्रेप' में फंस सकता है। यह दिलचस्प है कि चीन के शीशू नेता शी जिनपिंग ने डॉनल्ड ट्रंप की बीजिंग यात्रा के दौरान 'थ्यूसीडाइड्स ट्रेप' का जिक्र किया। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से यह संकेत देने की कोशिश की कि अमेरिका को चीन के उभार से ज्यादा डरने की जरूरत नहीं है और उसे चीन के साथ साझेदारी करनी चाहिए।

'थ्यूसीडाइड्स ट्रेप' का विचार पांचवीं शताब्दी ईसा पूर्व के यूनानी इतिहासकार थ्यूसीडाइड्स से जुड़ा है। उन्होंने एथेंस और स्पार्टा के बीच हुए पेलोपोनेसियन युद्ध के कारणों को समझने की कोशिश की थी। इस सिद्धांत के मुताबिक जब कोई नई ताकत उभरती है, तो पुरानी ताकत खुद को खतरे में महसूस करती है और अवसर इसका नतीजा युद्ध होता है।

थ्यूसीडाइड्स का मानना था कि इस युद्ध की मुख्य वजह एथेंस के बढ़ते प्रभाव से स्पार्टा का डर था, लेकिन मजाक, अगर शी उसे समझ सकें, तो उन्हीं पर भारी पड़ सकता है। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि चीन भी 'थ्यूसीडाइड्स ट्रेप' में फंस सकता है—अगर वह पहले से इसमें नहीं फंसा है—जब वह भारत के उभार को देखेगा। हालांकि, भारत का उभार अभी उस स्तर तक नहीं पहुंचा है जहां चीन को सीधा खतरा महसूस हो, लेकिन चीन ने इस पर ध्यान देना शुरू कर दिया है और भारत की प्रगति को

धीमा करने की कोशिश भी कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को चीन का समर्थन और 2020 के गलवान संघर्ष के समय भारत को सीमा पर डराने की कोशिश, जबकि भारत कोंविड से जुड़ा रहा था, यह दिखाता है कि शी को थ्यूसीडाइड्स को दोबारा पढ़ने की जरूरत है। उन्हें मानसिक रूप से यह स्वीकार करना होगा कि भारत का उभार बिना युद्ध, प्रॉक्सि युद्ध या कॉर्पोरेट दबाव के भी संभव है।

दो ताकतों—एक पुरानी और एक उभरती हुई—के बीच सीधा युद्ध ही 'थ्यूसीडाइड्स ट्रेप' का एकमात्र रूप नहीं है। इसमें आर्थिक युद्ध भी शामिल हो सकता है। जब ट्रंप ने टैरिफ लगाए, तो चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर रोक लगाकर जवाब दिया। इससे उन उद्योगों पर खतरा पैदा हुआ जो इन जरूरी सप्लाई पर निर्भर हैं। यह असर उन देशों पर भी पड़ा, जिन्होंने चीन पर टैरिफ नहीं लगाए थे।

मैनेजमेंट और रणनीति विशेषज्ञ राम चरण ने अपनी नई किताब China's 90% Model में लिखा है कि चीन की युद्ध नीति आर्थिक है। इसमें कई अहम उद्योगों में 90 प्रतिशत तक उत्पादन पर कब्जा करना शामिल है। इससे चीन को उन देशों पर दबाव बनाने की ताकत मिलती है जो उसकी शंते नहीं मानते। यह नहीं लगता कि चीन ने 'थ्यूसीडाइड्स ट्रेप' के व्यापक मतलब को पूरी तरह समझा है।

आर्थिक और सूचना युद्ध भी आखिरकार युद्ध ही हैं। 'थ्यूसीडाइड्स ट्रेप' सिर्फ इस बारे में नहीं है कि एक देश दूसरे के उभार से डरता है। यह भी हो सकता है कि दो

ताकतें मिलकर किसी तीसरी उभरती ताकत को नीचे दबाने की कोशिश करें। इस मामले में यह सिर्फ अमेरिका द्वारा चीन को रोकने की कोशिश नहीं हो सकती, बल्कि अमेरिका और चीन दोनों मिलकर भारत और भविष्य की अन्य उभरती ताकतों को रोकने की कोशिश कर सकते हैं। इसके लिए आंतरिक संघर्ष, आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंध, यहां तक कि युद्ध का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

यह विचार दुनिया के लगभग हर शक्ति संबंध पर लागू हो सकता है—चाहे वह कॉर्पोरेट ताकत हो, लैंगिक शक्ति, जनसंख्या शक्ति या बौद्धिक शक्ति। जब महिलाएं सत्ता और नेतृत्व में आगे बढ़ती हैं, तो पुरुष खुद को खतरे में महसूस करते हैं। जब नए इनोवेटर्स पुराने एकाधिकार को चुनौती देते हैं, तो पुरानी कंपनियां उन्हें रोकने की कोशिश करती हैं। इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (IPR) व्यवस्था, जिसे असली इनोवेटर्स की सुरक्षा के लिए जरूरी बताया जाता है, कई बार प्रतिस्पर्धा को सीमित करने का तरीका भी बन जाती है। यह 'ट्रेप' हर तरह के शक्ति संबंधों पर लागू होता है। जब राजनीतिक नेता, कॉर्पोरेट प्रमुख या आध्यात्मिक गुरु अपने उत्तराधिकारी तय नहीं करते, तो उसके पीछे भी सत्ता खोने का डर होता है। असल समस्या इंसान के भीतर मौजूद उस डर से पैदा होती है जिसमें वह शक्ति खोने से डरता है। इसका समाधान मानसिक बदलाव में है, जहां व्यक्ति अस्थायी और भौतिक ताकत से आगे की चीजों पर ध्यान देना सीखता है।

यही बात चार पुरुषार्थ—ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ

और संन्यास भी बताते हैं। जीवन के एक चरण पर व्यक्ति को सत्ता छोड़कर आगे बढ़ना होता है। जब गृहस्थ जीवन और धन-सत्ता का चरण खत्म होने लगता है, तब व्यक्ति को वानप्रस्थ की ओर बढ़ना चाहिए, जहां वह रोजमर्रा की जिम्मेदारियां दूसरों को सौंपने लगता है। इसका मतलब पूरी तरह पीछे हटना नहीं, बल्कि ध्यान को आंतरिक विकास को और मोड़ना है। जब देशों को नए प्रतिद्वंद्वियों से खतरा महसूस होता है, तो उन्हें नए देशों के लिए जगह बनानी चाहिए ताकि वे भी आगे बढ़ सकें।

कंपनियां भी ऐसा करती हैं। जब उन्हें नए प्रतियोगी दिखाई देते हैं, तो वे कम लाभ वाले कारोबार छोड़कर ज्यादा मूल्य वाले क्षेत्रों में आगे बढ़ती हैं। प्रकृति के नियम भी एक तय चक्र का पालन करते हैं—सृजन, स्थिरता, विनाश और पुनर्जन्म। इसे हिंदू मान्यता में ब्रह्मा, विष्णु और महेश की भूमिकाओं से समझा जाता है। 'थ्यूसीडाइड्स ट्रेप' इसी प्राकृतिक सत्य का एक रूप है।

इसका मतलब है कि ताकतवर देशों को दुनिया में उभर रही नई ताकतों के लिए जगह बनानी चाहिए और अपनी शक्ति का इस्तेमाल बड़े लक्ष्यों के लिए करना चाहिए। दूसरों को खत्म करके अपनी सर्वोच्चता बनाए रखने की कोशिश आखिरकार असफल होती है। अमेरिका, चीन और भविष्य में भारत को भी शक्ति संतुलन में बदलाव की इस सच्चाई को स्वीकार करना होगा, बिना जीत-हार की सोच में फंसे।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

आसमान पर 'पारा', बरस रही आग

● भीषण गर्मी से हाल बेहाल, अब तो जीना हुआ मुहाल ● दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश और बिहार समेत पूरे उत्तर भारत में इस समय भीषण गर्मी का कहर जारी है। आसमान से आग बरस रही है और तापमान अब 46 के पार पहुंच गया है। हालात यह हैं कि मंगलवार को दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के हैं। ग्लोबल टेम्परेचर रिकॉर्ड्स में यह जानकारी सामने आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के टॉप 100 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी के सभी शहर भारत के दर्ज किए गए हैं, यानी इस समय दुनिया में भारत से ज्यादा गर्म कोई और देश नहीं है।

लिस्ट में देश के कई बड़े शहर शामिल हैं। दिल्ली, गुडगांव, फरीदाबाद, चंडीगढ़, आगरा और वाराणसी जैसे बड़े शहरों में दोपहर होते ही पारा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वहीं सूची में सबसे ऊपर उत्तर प्रदेश के तीन जिलों ने जगह



बनाई है। मंगलवार को औरैया, बांदा रहे, जहां दोपहर में तापमान 46 के पार और इटावा दुनिया के सबसे गर्म स्थान पहुंच गया।

अभी और बढ़ेगा पारा

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 19 मई को आने वाले दिनों में मौसम को लेकर बड़ी चेतावनी जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की और बढ़ोतरी हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश और विदर्भ में यह पूरा हफ्ता भीषण लू की चपेट में रहेगा। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19 से 24 मई तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 20 मई तक लू का कहर जारी रहेगा। इससे पहले आईएमडी ने सोमवार को कहा था कि इस समाह उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बने रहने की आशंका है। लू को लेकर जारी अपने विशेष बुलेटिन में विभाग ने कई जानकारी दी है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 90 पैसे बढ़े

● 4 दिन पहले 3-3 रु बढ़ाए थे, 15 राज्यों में पेट्रोल 100 रु लीटर पार, डीजल 17 में 90 रु से ऊपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पेट्रोल और डीजल 19 मई से औसतन 90 पैसे प्रति लीटर और महंगा हो गया है। इससे पहले 15 मई, शुक्रवार को ही



पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। यानी पांच दिनों के भीतर में यह दूसरी बढ़ोतरी है। देश के 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पेट्रोल 100 रुपए लीटर के ऊपर बिक रहा है। वहीं 17 में डीजल का दाम 90 रुपए लीटर से ज्यादा है।

तबादला नीति 2026 को आज मिलेगी मंजूरी

मोहन यादव कैबिनेट बैठक में तबादलों की लिमिट और अवधि पर होगी चर्चा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश सरकार की वर्ष 2026 की नई तबादला नीति को बुधवार को डॉ. मोहन यादव कैबिनेट मंजूरी देगी। इसका ड्राफ्ट सामान्य प्रशासन विभाग ने तैयार कर लिया है और मुख्यमंत्री सचिवालय को भेज दिया गया है। ड्राफ्ट के प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के बीच चर्चा के बाद इसे कैबिनेट में लाने के लिए प्रस्तावित किया जाएगा। मंत्रियों की सहमति मिलने के बाद इसे स्वीकृति दी जाएगी। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग आदेश जारी करेगा। इस तबादला नीति में स्वीच्छक और प्रशासनिक तबादलों की लिमिट अलग-अलग रखी जा सकती है।

स्वैच्छक तबादलों की लिमिट नहीं रखने का आग्रह

इससे पहले 11 मई को हुई कैबिनेट बैठक के दौरान मंत्री विजय शाह ने स्वैच्छक तबादलों की लिमिट न रखने का आग्रह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से किया था। इस पर सीएम ने विचार करने की बात कही थी। साथ ही आपली कैबिनेट बैठक में तबादला नीति का प्रस्ताव रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे।

मुख्यमंत्री यादव ने बस्तर में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में अमित शाह का स्वागत किया

शाह बोले- बस्तर के हर आदिवासी को गाय-गैस देंगे, कहा- डेयरी नेटवर्क बनेगा, नक्सल खाले का टारगेट पूरा, कांग्रेस सरकार ने मदद नहीं की

जगदलपुर (नप्र)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में पहली बार मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक हुई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद के खतरे का टारगेट हलिया कर लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में मंगलवार को बस्तर (छत्तीसगढ़) में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बस्तर (छत्तीसगढ़) में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जगदलपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ



से भेंट कर भगवान महाकाल मंदिर का चित्र भेंट किया। शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस (भूपेश) सरकार से उन्हें नक्सल उन्मूलन में सहयोग नहीं मिला। बस्तर के नक्सल मुक्त होने के बाद 70 कैंपों में से लगभग एक-तिहाई कैंपों को 'वीर शहीद गुंडाधर सेवा डेप' के रूप में विकसित किया जाएगा। गृहमंत्री ने आगे कहा कि हर आदिवासी महिला को

पशुपालन से जोड़ने की योजना है। बस्तर के हर आदिवासी नागरिक को एक गाय और एक भैंस देंगे। 6 महीने में बस्तर में बड़ा डेयरी नेटवर्क बनेगा।

बैठक में 4 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में जगदलपुर में हुई इस बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन

यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। बैठक में राज्यों के विकास के साथ-साथ गंभीर सामाजिक और सुरक्षा मुद्दों पर कड़े फैसले लिए गए हैं। बैठक में चारों राज्यों में अपराध नियंत्रण, विशेषकर महिलाओं के उत्पीड़न और रेप जैसे मामलों पर जल्द फैसले लेने पर चर्चा की गई।

भोपाल। मध्य प्रदेश में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से चल रहे 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत अब तक 1.77 लाख से अधिक कार्य पूरे किए जा चुके हैं। इसी कड़ी में उज्जैन में शिप्रा तीर्थ परिक्रमा और भोपाल में सदानीरा समागम जैसे सांस्कृतिक व राष्ट्रीय स्तर के आयोजन किए जाएंगे, जिनमें देश-विदेश के विशेषज्ञ और कलाकार शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार और महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक एवं वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश जल आत्मनिर्भरता का एक नया इतिहास लिख रहा है। नदी, तालाब, जल संरचनाओं को संरक्षित व संवर्धित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा उज्जैन में 25-26 मई को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा की जा रही है। इसमें लोक गायिका मैथिली ठाकुर



लोक गायिका संजो बघेल एवं साथियों की प्रस्तुति होगी। इसी क्रम में 26 मई को भारतीय नौसेना का बैंड की प्रस्तुति तथा सुबई के केशवमू बैंड की भजन जैमिंग एवं सुप्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर एवं साथियों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी।

300 फीट की चुनरी माँ शिप्रा को अर्पित की जायेगी। आकर्षण का केन्द्र होगी भारतीय नौसेना बैंड की प्रस्तुति- उन्होंने बताया कि उज्जैन में 25-26 मई की तिथियों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पंडित ढोली बुवा द्वारा नारद कथा गायन परंपरा पर हरिकथा 17 मई से प्रतिदिन सायं 7:30 रामघाट पर प्रारंभ हो चुकी है। इसके साथ ही दत्तअखाड़ा घाट पर भजन संस्था में श्रेयश शुक्ला एवं साथी, इंदौर तथा जबलपुर की

माध्यम से जल संरक्षण, भारतीय संस्कृति और पंचमहाभूतों पर केंद्रित राष्ट्रीय विमर्श का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस सात दिवसीय समागम में देश-विदेश के विद्वान, वैज्ञानिक, कलाकार, पर्यावरणविद् और नीति-निर्माता सहभागी होंगे। यह पहली बार हो रहा है जिसमें इसरो, जेके ट्रस्ट, एचयूएल फाउंडेशन, जेके सीमेंट, जेएसडब्ल्यू, टाटा ट्रस्ट, एमडीएल, आईजीआरएमएस, हीरो प्यूचर एनर्जीस, ओएनजीसी, हिन्दुस्तान पावर, वेदांता ग्रुप, टाटा संस जैसे बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि जल संरक्षण और संवर्धन को लेकर एक मंच पर आ रहे हों। समारोह में फिजी, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, वेनेजुएला, मैक्सिको, सूरीनाम, इक्वाडोर, साइप्रस और नेपाल सहित अनेक देशों के राजनयिक प्रतिनिधियों की सहभागिता इसे अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करेगी।

मुख्य अतिथि होंगे मुख्यमंत्री- उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 27 मई को सायं 7 बजे मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस अवसर पर इसरो हेदराबाद के भू-विज्ञान समूह के समूह निदेशक डॉ. ईश्वर चंद्र दास विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी करेंगे।

प्रवाह फिल्म समारोह

28 मई से 2 जून तक जल एकाग्र डाक्यूग्राफ़ी फिल्मों का प्रदर्शन भारत भवन के अभाग में होने जा रहा है। जिसमें जल केन्द्रित हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं में 15-15 फिल्मों का प्रदर्शन होगा। जिसमें जल संकट, गंगा नदी, जल डाकू, जब हर एक बूंद मायने रखती है, खतरे में नदियां, आखिरी बूंद जैसे प्रमुख हैं।

जल केन्द्रित पर चार प्रदर्शनियां

सदानीरा समागम अंतर्गत जल-केन्द्रित 4 प्रदर्शनियां संयोजित की जा रही हैं। जिसमें लघु चित्रों में जल, भूगर्भीय जल स्रोत, मध्य प्रदेश में जलगंगा संवर्धन अभियान, जलचर जलीय जीवन के प्राणतत्व शामिल हैं। जिसमें मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय एवं क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल सहयोगी हैं।

इन पुस्तकों का होगा लोकार्पण

1. अंतर्जली यात्रा वीर भारत न्यास, मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद 2. पुरोवाक्- वीर भारत न्यास 3. आत्म की घाटी में पानी का संगीत- प्रेमशंकर शुक्ल 4. युगपुत्री जल- दिनेश पाठक 5. जल, संस्कृति और स्थापत्य- राजेश्वर त्रिवेदी 6. लोक तीर्थ माहात्म्य- डॉ. प्रदीप जिलवाने



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने देश के रेल नेटवर्क को और मजबूत, सुरक्षित और रफ्तार देने के लिए 2193 करोड़ रुपये के तीन बड़े प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी है। रेल मंत्रालय की ओर से मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार, इन प्रोजेक्ट का

वैष्णो देवी कटड़ा रेल रूट को अभेद्य बनाने की तैयारी

2193 करोड़ रुपये के तीन बड़े प्रोजेक्ट को रेलवे की मंजूरी

उद्देश्य जम्मू-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रूट पर सुरक्षा बढ़ाना, व्यस्त हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर की क्षमता का विस्तार करना और चेन्नई के सबअर्बन नेटवर्क में भीड़भाड़ को कम करना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कटड़ा सेक्शन पर होने वाले काम देश के सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में सुरक्षित और विश्वसनीय कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। वहीं, अन्य दो प्रोजेक्ट्स से यात्री और मालगाड़ियों दोनों के संचालन में सुधार होगा।



● कटड़ा सेक्शन के लिए 238 करोड़ रुपये का सुरक्षा पैकेज - जम्मू-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेल खंड पर भूस्खलन, टनल पुनर्वास, टनल से पानी के रिसाव को रोकने और संवेदनशील स्थानों पर पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना। यह इसलिए क्योंकि कटिन भौगोलिक परिस्थितियों और खराब मौसम के कारण इस रूट पर परिचालन में कई चुनौतियां आती हैं। हर साल लाखों तीर्थयात्री इस मार्ग से वैष्णो देवी जाते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए यह प्रोजेक्ट बेहद अहम है।

962 करोड़ में वयूल-झाड़ा तीसरी लाइन

हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर की क्षमता का विस्तार करने के उद्देश्य से इस 54 किलोमीटर लंबी तीसरी लाइन को बनाया जाएगा। फिलहाल वयूल और झाड़ा के बीच की डबल लाइन अपनी क्षमता से अधिक पर काम कर रही है। इस तीसरी लाइन के बनने से ट्रेनों की लेटलतीफी कम होगी और मालगाड़ियों के संचालन में आसानी होगी। यह रूट कोलकाता/हल्दिया बंदरगाहों और नेपाल को जोड़ने के साथ-साथ कई थर्मल पावर प्लांट के लिए है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप-नेतन्याहू की हत्या करने वाले को ईनाम देगा ईरान

● 500 करोड़ देने का ऐलान, संसद में बिल लाने की तैयारी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को 500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल को तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने



होर्मुज में बढ़ा संकट, 1500 कारोबारी जहाज फंसे - ईरान तनाव और समुद्री नाकेबंदी के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में करीब 1,500 कारोबारी जहाज फंसे हुए हैं। इन पर 20 हजार से ज्यादा नाविक मौजूद हैं। एक्सपर्ट्स ने मिसाइल और ड्रोन हमलों का खतरा बताया है। सऊदी अरब ने दावा किया कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने इराक की दिशा से आए 3 ड्रोन मार गिराए। कुवैत और कतर ने इसे सऊदी संप्रभुता और क्षेत्रीय सुरक्षा पर हमला बताया।

यह कदम उठाया जा रहा है। इस बीच ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने ईरान पर मंगलवार को होने वाला हमला फिलहाल टाल दिया है।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' की टीम गुजरात पहुंची

● प्रियंका गांधी समेत 39 सदस्य सभी पार्टियों के नेताओं से करेंगे मुलाकात



गांधीनगर (एजेंसी)। वन नेशन-वन इलेक्शन के मुद्दे पर गठित संयुक्त संसदीय समिति ने विभिन्न राज्यों का दौरा कर राजनीतिक दलों और अधिकारियों से परामर्श शुरू कर दिया है। प्रियंका गांधी, सबित पात्रा और बांसुरी स्वराज समेत समिति के 39 सदस्य आज से तीन दिनों के लिए गुजरात पहुंचे हैं। जेपीसी सदस्य मंगलवार की शाम गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल और राज्य के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर उनके विचार जानेंगे। समिति की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस शाम 5.30 बजे गांधीनगर की गिफ्ट सिटी में हुई। वहीं, समिति ने समिति ने 20 मई 2026 को सभी राजनीतिक दलों को अपने विचार रखने के लिए गांधीनगर बुलाया है। इस मुद्दे पर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा - गुजरात भाजपा एक राष्ट्र-एक चुनाव का पूरी तरह से समर्थन करती है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोषी ने कहा - कांग्रेस इस मुद्दे पर अपने विचार रखेगी।

पिछले साल महाराष्ट्र और उत्तराखंड का दौरा कर चुकी जेपीसी

जेपीसी ने 17-18 मई 2025 को महाराष्ट्र दौरा किया। वहां मुख्यमंत्री, राजनीतिक दलों, प्रशासनिक अधिकारियों, बैंकों, सार्वजनिक उपक्रमों और रेगुलेटरी संस्थाओं से बातचीत की गई। समिति का मकसद यह समझना था कि एक साथ चुनाव कराने से फायदा होगा।

रूस से कच्चा तेल खरीदता रहेगा भारत

● सरकार बोली-अमेरिकी प्रतिबंध बेअसर ● फंसे जहाजों से तेल खरीदने की है छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की तरफ से मिलने वाली प्रतिबंधों की छूट खत्म होने के बाद भी भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से हमारे इम्पोर्ट प्लान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस बीच वैश्विक सप्लाई संकट को देखते हुए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के जहाजों से तेल खरीदने के लिए 30 दिनों का अस्थायी लाइसेंस जारी कर दिया। अमेरिकी ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने



सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। बेसेंट के मुताबिक इससे अतिरिक्त लचीलापन मिलेगा। यह सामान्य लाइसेंस कच्चे तेल के बाजार को स्थिर करने और ऊर्जा की दृष्टि से संवेदनशील देशों तक तेल की पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

घरेलू बाजार में महंगाई रोकने के लिए सप्लाई जरूरी

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अधिकारियों ने अमेरिकी प्रशासन को स्पष्ट कर दिया था कि ग्लोबल मार्केट में उतार-चढ़ाव के बीच देश की तेल सप्लाई बनाए रखना सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता है। अधिकारियों ने चेतावनी भी दी थी कि अगर तेल की सप्लाई में कोई रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर भारतीय उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। इससे देश में डोमेस्टिक कुकिंग गैस जैसी जरूरी चीजों की किल्लत और महंगाई बढ़ सकती है। हालांकि, इस पूरे मामले पर भारत के तेल मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

'सुप्रीम' आदेश, खतरनाक कुत्तों को मौत का इंजेक्शन दें

● लोगों की सुरक्षा जरूरी, जो अफसर निर्देशन माने उस पर कार्यवाही



नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि खतरनाक या रेबीज से संक्रमित आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगाकर मारा जा सकता है, लोगों की जान की हिफाजत जरूरी है और गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल है। मंगलवार को दिए गए इस मामले पर आखिरी फैसले के साथ ही कोर्ट ने सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाएं खारिज कर दीं। कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों के पुनर्वास और नसबंदी पर नवंबर 2025 में दिए गए निर्देश ही लागू होंगे।

मंगलवार के आदेश की 8 अहम बातें

राज्य सरकारें पशु कल्याण बोर्ड के नियमों को मजबूत करें और सही तरीके से लागू करें। हर जिले में पूरी तरह काम करने वाला एक सेंटर (एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर) बनाया जाए। जहां आवारा कुत्तों की आबादी ज्यादा है, वहां जरूरत के हिसाब से सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाए। जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दूसरे सार्वजनिक स्थानों पर भी ये नियम लागू करने पर फैसला लिया जाए और उसे तय समय में लागू किया जाए। एंटी-रेबीज दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए।

15 दिन में 50 बार घर में लगी आग

परिवार ने ठिकाना बदला तो वहां भी अग्नि से सामना, पुलिस के सामने भी घटी रहस्यमयी घटना

अशोकनगर (नप्र)। मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में एक हैरत में डाल देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक घर में 15 दिनों के अंदर 50 बार आगजनी की घटना हो गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान हैरान करने वाले तथ्य सामने आए हैं। घर में 50 बार अलग-अलग जगहों पर आग लगी है। दरअसल, अशोकनगर जिले के मुंगवली ब्लॉक के बाढ़ोली गांव में रहने वाले राजेश राजपूत के घर में अब तक 50 बार अलग-अलग जगहों पर आग लगी चुकी है। 15 दिनों से आग लगने का यह सिलसिला लगातार जारी है, लेकिन कारण अब तक अज्ञात है। घर में लग रही इस रहस्यमयी आग में परिवार का आधिकारिक सामान जलकर खाक हो चुका है। परिवार के सदस्यों ने जब इसे देवी प्रकॉप मानकर घर में झाड़ू फूंक करवाई। उसके बाद आगजनी की घटना का सिलसिला और ज्यादा बढ़ गया है। अब परिवार के सदस्य खौफ और डर के माहौल में जी रहे हैं। हालात यह हैं कि परिवार के सदस्यों ने मंदिर में सहायता ली है।

बिना बिजली सुलग उठे उपकरण

आगजनी की घटना से न केवल घर की छत, बच्चों के कपड़े, खिलौने, बिस्तर, राशन आदि जलकर खाक हो गई हैं बल्कि जहां शॉट



सर्किट एवं बिजली का अंदेशा भी नहीं है। वहां भी आग लगी जैसे घर की फिक्सी, मोटर और ट्रेक्टर में भी घटना हुई लेकिन परिवार के सदस्यों की सतर्कता से तुरंत उसे पर काबू पा लिया गया।

15 दिन से परेशान है परिवार

● 15 दिन में 50 बार घर के अलग-अलग हिस्सों में लगी आग
● दूसरे घर में शिफ्ट होने पर वहां भी लगी
● प्रशासन की टीम निरीक्षण करने आई तो उनके सामने भी आग लगी
● बिना बिजली के भी घर में हो रही है शॉट सर्किट

प्रशासन से लेकर ग्रामीण तक हैरत

इस खौफनाक मंजर के बीच जब महिलाओं और बच्चों को गांव के ही दूसरे मकान में शिफ्ट किया गया तो आग ने वहां भी पीछ नहीं छोड़ा। देखते ही देखते दूसरे मकान में भी लपटें उठने लगीं। इस घटना से न केवल परिवार के सदस्य खौफ में हैं बल्कि ग्रामीण और प्रशासन भी हैरत में पड़ चुके हैं। घटना की सूचना लगते ही मौके पर पहुंचे एसडीएम इस्मरार खान और थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। प्रशासन की टीम के सामने भी अचानक आग सुलग गई तो वे लोग हैरत में पड़ गए।

सितंबर में फिर भारत आएंगे रूसी राष्ट्रपति पुतिन

● ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे, 10 महीने में दूसरा दौरा, मोदी भी इस साल रूस जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसी साल सितंबर में भारत आएंगे। रूसी सरकार ने मंगलवार को कहा कि पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी ने पुतिन को दिसंबर 2025 में उनके भारत दौरे के दौरान आधिकारिक तौर पर समिट में शामिल होने का न्योता दिया था। एक साल के भीतर पुतिन का यह दूसरा भारत दौरा होगा।



● ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता कर रहा है भारत - इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। ब्रिक्स दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा अब मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई और इंडोनेशिया जैसे नए सदस्य भी शामिल हो चुके हैं। भारत की अध्यक्षता के दौरान पूरे साल देश के अलग-अलग शहरों में

पीएम मोदी भी इसी साल रूस जाएंगे

इससे पहले भारत दौरे पर आए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 15 मई को कहा था कि वे पीएम मोदी की रूस यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोदी ने रूस आने की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और कई अन्य क्षेत्रों में मजबूत सहयोग जारी है और रूस चाहता है कि यह साझेदारी आगे भी तेजी से मजबूत होती रहे। उनके बयान से माना जा रहा है कि मोदी इस साल भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूस जा सकते हैं। हालांकि अभी तक यात्रा की आधिकारिक तारीख या कार्यक्रम का औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन ज्यादातर टंड में होते हैं।

राहुल बोले- कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम सवाल से भागते दिखे

● जब छिपाने को कुछ नहीं तो डर वयों, मोदी ने नॉर्वे में पत्रकार को जवाब नहीं दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने मंगलवार को नॉर्वे में एक महिला जर्नलिस्ट हेले लिंग के सवाल को टालने पर पीएम मोदी की आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, जब दुनिया एक कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम को कुछ सवालों से घबराकर भागते हुए देखती है, तो भारत को छिप पर क्या असर पड़ता है। जब छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो डरने की भी कोई बात नहीं है। राहुल ने हेले की एक्स पोस्ट शेयर करते हुए यह लिखा। दरअसल, पीएम मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे के साथ जॉइंट प्रेस मीट की थी, लेकिन मीडिया के सवाल नहीं लिए। मोदी नॉर्वे के 2 दिन के दौरे पर हैं। दौरा शाम को खत्म हो गया है। जॉइंट प्रेस मीट के बाद मोदी और जोनास गार जाने लगे तब हेले लिंग ने पूछा, पीएम मोदी आप दुनिया की सबसे आजाद प्रेस के कुछ सवालों के जवाब क्यों नहीं देते।

विवाद में युवक पर चाकू से हमला

इंदौर। एमआईजी थाना क्षेत्र में मामूली विवाद के बाद एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पूरी घटना इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हमले में घायल युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना देव नगर क्षेत्र की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक किसी बात को लेकर आरोपी गौतम और अमित बौरासी के बीच विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने अमित पर ताइफ्टोड चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। घायल अमित बौरासी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। वहीं घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। सूचना मिलते ही एमआईजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी गौतम को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

हर सोमवार टीएल बैठक ऑनलाइन

इंदौर। जिला प्रशासन ने कार्यप्रणाली में नई पहल करते हुए सोमवार को होने वाली समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक अब ऑनलाइन माध्यम से आयोजित करने का निर्णय लिया। सोमवार को पहली बार टीएल बैठक वर्चुअल रूप से आयोजित की गई, जिसमें कलेक्टर कार्यालय परिसर में स्थित विभागों को छोड़कर अन्य सभी अधिकारी ऑनलाइन जुड़े। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम, समयबद्ध और प्रभावी बनाना है। साथ ही अनावश्यक आवागमन कम कर समय और संसाधनों की बचत भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रशासन ऐसी व्यवस्था विकसित कर रहा है, जिससे लोगों और अधिकारियों की अनावश्यक आवाजाही कम हो तथा कार्य प्रभावित भी न हो।

जनजातीय अंचलों में विशेष अभियान शुरू

इंदौर। जनजातीय वर्ग तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए 'जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान 18 से 25 मई तक प्रदेशभर में चलाया जाएगा। इसके तहत जनजातीय क्षेत्रों में विशेष लाभार्थी संतुष्टि शिविर लगाए जाएंगे, जहां ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ तत्काल लाभ भी दिया जाएगा। मंत्री कुंवर विजय शाह ने मैदानी अधिकारियों को शिविरों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं सतेंद्र सिंह ने बताया कि अभियान में 18 विभागों की 25 सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रधानमंत्री जनमन योजना और घरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत हजारों गांवों में शिविर आयोजित होंगे, ताकि पात्र हितग्राही किसी भी योजना से वंचित न रहे।

बच्चों के विवाद में गोली चली, पैर में लगी

इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र में बच्चों के मामूली विवाद ने दरार खिसक रूप ले लिया। अशरफी नगर में पेड़ोसी परिवारों के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि एक पक्ष ने देशी कट्टे से फायर कर दिया। गोली पड़ोसी वसीम के पैर में लगी, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, फरियादी वसीम और आरोपी पक्ष आमने-सामने रहते हैं। देर रात बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर दोनों परिवारों के बड़े आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते बहमं मारपीट में बदल गई। इसी दौरान आरोपियों ने तैश में आकर देशी कट्टा निकाल लिया और वसीम पर फायर कर दिया। कारतूस उनके पैर में जा धंसा और वे मौके पर ही गिर पड़े। सूचना मिलते ही पुलिस ने रात में ही घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू की और मुख्य आरोपी इरशाद व साहित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर हथियार के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

परीक्षा देने जा रहे युवक की हदसे में मौत

इंदौर। हातोद तहसील के ग्राम मुरखड़ा के समीप श्रीनाथ कोल्ड स्टोरेज के सामने मंगलवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 5-30 बजे हुआ, जब रिटज कार और अज्ञात ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। ट्रकर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान आदित्य सिसोदिया के रूप में हुई है। वह पिता सुरजसिंह सिसोदिया का पुत्र था और बिरगोदा गांव का निवासी बताया गया है। जानकारी के अनुसार आदित्य परीक्षा देने के लिए बिरगोदा से इंदौर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर के बाहर युवक की संदिग्ध मौत

इंदौर। पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक विकी पिता शंकर (26) घर के बाहर अचेत अवस्था में मिला था। परिजन और आसपास के लोग उसे तुरंत एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पंढरीनाथ थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद हो सकेगा।

तेज रफ्तार टैकर ने कुचला, मौके पर मौत

इंदौर। मानपुर थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की जान चली गई। एबी रोड स्थित प्रसिद्ध भगवती ढाबे के सामने तेज रफ्तार टैकर ने मोटरसाइकिल को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक टैकर क्रमांक एएमपी-09 एचएच 8503 का चालक वाहन को तेज गति और कार सवार युवक को मौके पर ही मार दिया। इसी दौरान उसने आगे चल रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार कृष्णा गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। अधिक खून बहने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद टैकर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मानपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने टैकर नंबर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

हॉस्टल की छत से कूदकर आत्महत्या करने वाले डॉ. पटेल का सुसाइड नोट नहीं मिला

महिला मित्र से बातचीत के बाद तनाव में होने की चर्चा, परिजन इंदौर आए

परिजन इंदौर आए

रविवार रात करीब ढाई बजे पुलिस, कॉलेज प्रबंधन और साथी डॉक्टरों की मौजूदगी में शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया। सोमवार दोपहर जबलपुर से पहुंचे परिजन सबसे पहले छात्रावास पहुंचे। वहां घटनास्थल देखकर परिवार के लोग भावुक हो गए। इसके बाद वे शवगृह पहुंचे, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। जांच के दौरान पुलिस और न्यायिक विज्ञान दल ने छात्रावास की छत का निरीक्षण किया। वहां दो दरवाजे मिले, जिनमें एक बंद था जबकि दूसरा खुला हुआ था। पुलिस को आशंका है कि अमन रात में छत पर पहुंचे और बाहर से दरवाजा



बंद करने के बाद नीचे छलांग लगा दी। घटनास्थल पर मिले खून के निशान और अन्य परिस्थितियों को भी आत्महत्या की आशंका से जोड़कर देखा जा रहा है।

कमरे में कोई नोट नहीं मिला

घटना के बाद परिजन और पुलिस लंबे समय तक डॉ अमन के कमरे में कारण तलाशते रहे। बताया गया कि गिरने की ऊंचाई नापने की कोशिश भी की गई, लेकिन मापने वाला फीता छेदा पड़ गया। कमरे में रखी कॉपियां, किताबें और अन्य सामान की जांच की गई, मगर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। जांच में यह बात भी सामने आई कि छात्रावास के कई हिस्सों में निगरानी कैमरे या तो लगे नहीं हैं या खराब

हालत में हैं। सुरक्षा व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं बताई जा रही। छात्रों और कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि छत और आसपास अक्सर शराब की बोतलें पड़ी दिखाई देती हैं।

मोबाइल जांच में शामिल

पुलिस को शव के पास से डॉ अमन का टूटा हुआ मोबाइल भी मिला है। मोबाइल की बातचीत और संदेशों की जांच की जा रही है। करीबी साथियों के मुताबिक घटना से पहले अमन किसी महिला मित्र से वीडियो बातचीत कर रहे थे। बातचीत के बाद वे तनाव में नजर आए। कुछ देर बाद एक महिला का फोन उनके साथियों के पास भी आया, जिसमें अमन के बारे में पूछा गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। सोमवार शाम परिजनों की मौजूदगी में डॉक्टर का कम्परा खोला गया। देर शाम पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को लेकर जबलपुर रवाना हो गए। पुलिस फिलहाल मामले के हर पहलू की जांच में जुटी हुई है।

इंदौर में फिर बढ़ी भीषण गर्मी, पारा 44.3 डिग्री तक पहुंचा

इंदौर। दो दिन की हल्की राहत के बाद गर्मी ने एक बार फिर तीखे तेवर दिखाते शुरू कर दिए। तापमान में पहले गिरावट जरूर दर्ज हुई, लेकिन उमस और तपिश लगातार बनी रही। सोमवार को शहर का अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। इससे पहले वर्ष 2024 में तापमान 44 डिग्री तक पहुंचा था। मंगलवार को भी गर्मी का असर कम नहीं हुआ और पारा ऊंचा बना रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में गर्मी का प्रभाव और बढ़ सकता है। तेज गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। छुट्टी का दिन होने के बावजूद लोग घरों के भीतर भी राहत महसूस नहीं कर सके। हालत यह रही कि पंखों की हवा भी बेअसर नजर आई और लोग लगातार पसीने से परेशान रहे।

मरीजों की संख्या बढ़ रही

भीषण गर्मी का असर अब लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। शहर के अस्पतालों में लू, शरीर में पानी की कमी, तेज बुखार और बदन दर्द की शिकायत लेकर पहुंचने वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शासकीय एमवाय अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने बताया कि बाह्य रोगी विभाग में ऐसे मरीजों की संख्या करीब 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी के कारण लोगों को चक्कर आना, उल्टी, सिरदर्द और कमजोरी जैसी दिक्कतें हो रही हैं।

लू पानी की कमी से बीमार पड़ रहे लोग, मरीज बढ़े



सावधानी बरतने की सलाह चिकित्सकों ने खास तौर पर छोटें बच्चों और बुजुर्गों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। उनका कहना है कि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों और 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों पर गर्मी का असर जल्दी होता है। इसके अलावा दमा, हृदय रोग और मधुमेह जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों में भी खतरा अधिक बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक तेज धूप में बाहर निकलने से बचने की अपील की है। प्रशासन ने शहर और ग्रामीण इलाकों में हेडपों की मरम्मत तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि शरीर में पानी की कमी से होने वाली परेशानियों को रोका जा सके। नागरिकों से कहा गया है कि यदि अत्यधिक कमजोरी, मुंह सूखना या चक्कर आने जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।

40 लू उपचार केंद्र - जिले में गर्मी से प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी के मुताबिक जिले में

40 लू उपचार केंद्र स्थापित किए गए हैं। साथ ही प्रत्येक जिला स्तरीय अस्पताल में गर्मी से जुड़ी आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेष वाई तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

इमली के 3 पेड़ जड़ से काटने पर निगम ने वसूला सवा दो लाख दंड

इसे पर्यावरण संरक्षण नियमों का गंभीर उल्लंघन माना गया

इंदौर। शहर की हरियाली को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ नगर निगम उद्यान विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। सांवेर रोड स्थित सेक्टर-सी औद्योगिक क्षेत्र में बिना अनुमति तीन इमली प्रजाति के पेड़ जड़ से काटने पर निगम ने संबंधित प्रतिष्ठान संचालक पर दो लाख 25 हजार रुपए का मौके पर ही जुर्माना लगाया है। नगर निगम के उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर के निर्देश पर उद्यान विभाग की टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि



गुडविल ट्रेड्स के संचालक शाहरुख खान द्वारा बिना अनुमति तीन बड़े पेड़ों को पूरी तरह काट दिया गया था। इसे पर्यावरण संरक्षण नियमों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए निगम ने तत्काल कार्रवाई की। उद्यान विभाग के अधिकारियों के अनुसार शहर में लगातार घटती हरियाली को देखते हुए अब वृक्षों की अवैध कटाई पर सख्ती

बरती जा रही है। निगम ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार से पेड़ काटना दंडनीय अपराध है और दोषियों पर इसी तरह

आर्थिक दंड लगाया जाएगा। उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाना निगम की प्राथमिकता है। नागरिकों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को वृक्षों के संरक्षण में सहयोग करना चाहिए। यदि किसी कारणा से पेड़ों की कटाई या छंटाई आवश्यक हो तो पहले निगम से अनुमति लेना अनिवार्य है।

कोर्ट के स्टे के बीच कॉलोनी में प्लॉट काटने का आरोप

विवादित भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश



बेच दिया। वादी पक्ष का दावा है कि यह जमीन उनके पूर्वजों की पैतृक संपत्ति है तथा धोखाधड़ी कर कब्जा

किया गया। उनका यह भी आरोप है कि भूमि के बीच स्थित तालाब तक पहुंचने का रास्ता तक नहीं छोड़

गया। मामले के न्यायालय में लंबित रहने के बावजूद कॉलोनी विकसित कर भूखंड काटे जा रहे हैं और उनका विक्रय भी किया जा रहा है।

दूसरी ओर नजर पटेल ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि वे न्यायालय के निर्णय का पालन करेंगे। वहीं कॉलोनाइजर दयाप्रकाश कुमावत से संपर्क नहीं हो सका, जबकि कॉलोनी का काम देख रहे राम नामक व्यक्ति ने प्रतिक्रिया देने से इनकार किया। सुनवाई के दौरान वादी पक्ष ने शपथ पत्र, फोटोग्राफ और सार्वजनिक सूचना बोर्ड सहित अन्य दस्तावेज न्यायालय में पेश किए। इसके बाद न्यायालय ने अगली सुनवाई तक विवादित भूमि की वर्तमान स्थिति यथावत बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

कार में बंद रह गई 4 साल की हाजरा, दम घुटने से मौत हुई

वाहन की तकनीकी जांच होगी, मातम में डूबा परिवार

इंदौर। जूनी इंदौर थाना क्षेत्र स्थित नंदवन कॉलोनी में चार साल की मासूम हाजरा की कार में दम घुटने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अब वाहन की तकनीकी जांच भी कराई जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना किन परिस्थितियों में हुई। जूनी इंदौर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता के अनुसार, हसन नूर की बेटी हाजरा रविवार दोपहर करीब 12 बजे कार में सो गई थी। करीब तीन बजे जब परिवार के लोगों ने उसे देखा तो वह बेसुध अवस्था में मिली। परिजन तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि फिलहाल परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज नहीं हो सके हैं। मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही मौत के सही कारण स्पष्ट हो सकेंगे। पुलिस यह भी देख रही है कि घटना में किसी तरह की लापरवाही तो नहीं हुई। इसी सिलसिले में कार की तकनीकी जांच कराई जाएगी।

परिवार गहरे शोक में - मासूम की मौत के बाद घर में शोक का माहौल है। परिवार के परिचितों के मुताबिक, हसन नूर के तीन बच्चे हैं। इनमें एक बड़ी बेटी, हाजरा और एक छोटा बेटा शामिल है। बेटे की उम्र काफी कम होने के कारण परिवार के लोग मां का विशेष ध्यान रख रहे हैं। घटना के बाद मां की हालत लगातार खराब बनी हुई है और परिजन उन्हें संभालने की कोशिश कर रहे हैं। रिश्तेदारों और परिचितों का घर पर लगातार आना-जाना लगा हुआ है। परिवार के सदस्य बच्ची की मां को ढाढस बंधाने के साथ उनकी समझाइश और मानसिक सहारा देने में जुटे हैं, ताकि वे खुद को संभाल सकें और बाकी बच्चों की देखभाल कर पाएं। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बना रहा।



निगम आयुक्त ने कचरा ट्रांसफर स्टेशन, सफाई व्यवस्था परखी

ग्रीन वेस्ट कम्पोस्टिंग प्लांट को पूरी क्षमता से चलाए



इंदौर। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सोमवार को शहर की सफाई व्यवस्था, कचरा ट्रांसफर स्टेशन और विभिन्न अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह सहित निगम अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने आजाद नगर, आईटी पार्क, लालबाग-धार रोड और संगम नगर स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशनों का जायजा लिया। इसके साथ ही धार रोड स्थित निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट संयंत्र, रीजनल पार्क के डीएमआरएफ सेंटर, ग्रीन वेस्ट कम्पोस्टिंग प्लांट, थर्माकोल प्लांट और आईटी पार्क स्थित सीएनजी केंद्र का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सभी ट्रांसफर स्टेशनों पर कचरे का पृथक्करण, परिसर की साफ-सफाई और डोर टू डोर वाहनों की नियमित धुलाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण के मानकों के अनुसार सभी व्यवस्थाएं बेहतर बनाई जाएं।

जादू शो में पशु-पक्षियों के इस्तेमाल का नियम अफसर को ही नहीं पता

इंदौर। जादूगर प्रिंस के शो में पशु-पक्षियों के इस्तेमाल को लेकर विवाद गहरा गया है। पशु संरक्षण से जुड़े संस्थाओं ने शो में जानवरों के उपयोग पर आपत्ति दर्ज करते हुए पुलिस और वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की थी। मामले की जांच में अब अनुमति प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए। नीडीटेल फाउंडेशन एवं पीपल फॉर एनिमल्स इंदौर की शिकायत के बाद नुकुमंज थाना पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान सामने आया कि पशुपालन एवं डेवरी विभाग की ओर से एम्पीसीए के माध्यम से जादूगर प्रिंस को पशु-पक्षियों के इस्तेमाल की अनुमति दी गई

थी। संस्थाओं का आरोप है कि जारी अनुमति पत्र में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि शो में किन पशु-पक्षियों का उपयोग होगा, उनकी स्वास्थ्य स्थिति क्या है और सुरक्षा के क्या इंतजाम किए गए हैं। उनका कहना है कि नियमों के अनुसार किसी भी प्रदर्शन में जानवरों के उपयोग की अनुमति देने का अधिकार केवल भारतीय पशु कल्याण बोर्ड को है। जिला स्तर पर ऐसी अनुमति जारी नहीं की जा सकती। जब इस संबंध में उप संचालक दिनकर राव पाटिल से चर्चा की गई तो उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें संबंधित नियमों की जानकारी नहीं थी।

जयंती पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक बरिष्ठ पत्रकार हैं।



साहित्यिक भारत के स्वर्णिम इतिहास में जिन विभूतियों ने काव्य की परंपरा को समृद्ध करने के साथ साहित्य को जीवन दर्शन और आत्म-संवाद का माध्यम बनाया, उनमें सुमित्रानंदन पंत का नाम सर्वोपरि है। पंत केवल एक कवि नहीं, एक साधक थे, जिनका सम्पूर्ण जीवन ही एक दीर्घ कविता की तरह विस्तृत और भावपूर्ण था। प्रकृति की अनुभूतियों से भरे हिमालय की गोद में स्थित उत्तराखंड के अल्मोड़ा जनपद के कौसानी नामक पर्वतीय गांव में 20 मई 1900 को जन्मे पंत के बचपन में ही उनकी माता का निधन हो गया था और उनका पालन-पोषण दादी ने किया। यह शैशवकाल, जिसमें प्रकृति उनकी सबसे घनिष्ठ संगिनी बन गई, आगे चलकर उनके समूचे काव्य की प्रेरणा का मूल स्रोत बन गया। वे बचपन से ही अत्यंत अंतर्मुखी थे। कहा जाता है कि वे कई बार घंटों अकेले बैठकर पहाड़ों, बादलों और फूलों को निहारते रहते थे। उनके परिवार को कभी-कभी शंका होती थी कि कहीं यह बच्चा मानसिक रूप से असामान्य तो नहीं लेकिन यही अंतर्मुखता, यही गहराई आगे चलकर उनके भीतर ऐसी संवेदनशीलता के रूप में प्रकट हुई, जो उनके काव्य की आत्मा बन गई।

सुमित्रानंदन पंत ने केवल आठ वर्ष की आयु में गुलाब के फूल पर अपनी पहली कविता लिखी थी। यह कविता उन्होंने अपनी दादी को सुनाई, जिन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया कि वे अपने अनुभवों और संवेदनाओं को शब्दों में ढालते रहें। यही प्रेरणा आगे चलकर उन्हें उस साहित्यिक संसार में ले गई, जहां वे हिंदी के छायावादी युग के प्रमुख स्तंभ बनकर उभरे। उनकी शिक्षा कौसानी, अल्मोड़ा, बनारस और अंततः इलाहाबाद में हुई। इलाहाबाद का समय उनके जीवन का अत्यंत निर्णायक दौर था। यहीं उन्होंने उस साहित्यिक वातावरण को आत्मसात किया, जो नवजागरण, स्वाधीनता संग्राम और सांस्कृतिक चेतना से ओतप्रोत था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में उनके सहपाठी हरिवंशराय बच्चन और महादेवी वर्मा थे। इन तीनों साहित्यकारों की मित्रता केवल व्यक्तिगत नहीं थी, यह साहित्यिक दृष्टि से अत्यंत उर्वर संवाद थी, जिसमें जीवन, समाज, सौंदर्य और दर्शन पर गहन चर्चा होती रहती थी। वे अक्सर एक साथ बैठकर कविता पाठ करते, आलोचना करते और एक-दूसरे की रचनात्मकता को परिष्कृत करते। यही कारण है कि

सुमित्रानंदन पंत: कविता के आकाश में हिमालय सा व्यक्तित्व

सुमित्रानंदन पंत ने केवल आठ वर्ष की आयु में गुलाब के फूल पर अपनी पहली कविता लिखी थी। यह कविता उन्होंने अपनी दादी को सुनाई, जिन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया कि वे अपने अनुभवों और संवेदनाओं को शब्दों में ढालते रहें। यही प्रेरणा आगे चलकर उन्हें उस साहित्यिक संसार में ले गई, जहां वे हिंदी के छायावादी युग के प्रमुख स्तंभ बनकर उभरे। उनकी शिक्षा कौसानी, अल्मोड़ा, बनारस और अंततः इलाहाबाद में हुई। इलाहाबाद का समय उनके जीवन का अत्यंत निर्णायक दौर था। यहीं उन्होंने उस साहित्यिक वातावरण को आत्मसात किया, जो नवजागरण, स्वाधीनता संग्राम और सांस्कृतिक चेतना से ओतप्रोत था। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में उनके सहपाठी हरिवंशराय बच्चन और महादेवी वर्मा थे। इन तीनों साहित्यकारों की मित्रता केवल व्यक्तिगत नहीं थी, यह साहित्यिक दृष्टि से अत्यंत उर्वर संवाद थी, जिसमें जीवन, समाज, सौंदर्य और दर्शन पर गहन चर्चा होती रहती थी। वे अक्सर एक साथ बैठकर कविता पाठ करते, आलोचना करते और एक-दूसरे की रचनात्मकता को परिष्कृत करते।

इलाहाबाद को उस समय हिंदी साहित्य का काशी कहा जाने लगा और सुमित्रानंदन पंत इस आंदोलन के केंद्र में थे।

पंत की भाषा अत्यंत कोमल, संस्कृतिनिष्ठ और संगीतात्मक रही। उनका मानना था कि कविता केवल विचार नहीं, संवेदना का संप्रेषण है। उनकी रचनाओं में एक विशिष्ट लय, एक अनूठा सौंदर्यबोध और एक आत्मिक गहराई है। उनकी कविताएं केवल पढ़ी नहीं जाती, उन्हें महसूस किया जाता है। उनकी प्रसिद्ध काव्य कृतियां 'पल्लव', 'गुंजन', 'ग्राम्या', 'युगांत', 'लोकायतन' और 'चिदंबर' भारतीय काव्य परंपरा में मील का पत्थर हैं। 'पल्लव' में जहां छायावादी सौंदर्यबोध अपने पूर्ण यौवन पर है, वहीं 'लोकायतन' और 'चिदंबर' में उनका चिंतन समाजवादी, मानवतावादी और दार्शनिक दृष्टि से विकसित होता है। पंत केवल प्रकृति के कवि नहीं थे, वे समय के साथ बदलते रहे। आरंभ में जहां वे सौंदर्य और प्रकृति के उपासक थे, वहीं बाद में उन्होंने सामाजिक यथार्थ, वर्गसंघर्ष और आत्मान्वेषण को अपने काव्य में स्थान दिया। उनकी कविता की आत्मा जितनी सौम्य और भावुक थी, उनकी जीवनशैली उतनी ही सादी और संयमित थी। नैनीताल के पास स्थित 'पंत निवास' में वे अपने अंतिम वर्षों में अत्यंत साधारण जीवन जीते थे। उनका यह निवास आज भी एक साहित्यिक तीर्थ के रूप में जाना जाता है, जहां उनकी हस्तलिपियां, पुस्तकें और अन्य स्मृतियां संरक्षित हैं। उनकी हस्तलिपि अत्यंत सुंदर और कलात्मक मानी जाती थी। कहा जाता है कि वे जब कविता लिखते थे तो पृष्ठ को इतने सौंदर्य से सजाते थे, मानो कोई चित्रकार रंग

भर रहा हो। वे पहले कलम की नोक को परखते थे, यह देखते कि वह ठीक से बह रही है या नहीं, उसके बाद लिखना आरंभ करते। उनके लिए कविता लेखन केवल बौद्धिक प्रक्रिया नहीं बल्कि एक साधना थी, जिसमें



शब्दों की आत्मा तक पहुंचने का प्रयास होता था।

सुमित्रानंदन पंत के जीवन से जुड़ी अनेक घटनाएं उनकी करुणा और मानवीय संवेदना की गहराई को उजागर करती हैं। एक बार एक युवा पाठक ने उन्हें पत्र लिखा कि उनकी कविता 'नव जीवन' ने उसे आत्महत्या से रोक दिया। यह पत्र पढ़कर पंत जी रो पड़े और उन्होंने कहा कि यदि मेरी कविता ने किसी जीवन को फिर से

दिशा दी है तो मेरा समस्त लेखन सफल है। उनकी प्रसिद्ध कविता 'पुष्प की अभिलाषा' के बारे में कहा जाता है कि इसे उन्होंने अपने स्कूल के दिनों में एक प्रतियोगिता के लिए लिखा था, जो आगे चलकर राष्ट्रीय भावना की प्रतीक बन गई किंतु पंत कभी भी इस लोकप्रियता को लेकर आत्ममुग्ध नहीं हुए। उनका कहना था कि यदि कोई कविता जनमानस के हृदय में बस जाए तो वह अब मेरी नहीं, जन की हो जाती है। यह कथन एक सच्चे रचनाकार की मानसिकता को दर्शाता है, जो अपने सृजन को निजी संपत्ति नहीं, सामाजिक उत्तरदायित्व मानता है।

पंत को कई बार राजनीतिक मंचों से जुड़ने के प्रस्ताव मिले लेकिन उन्होंने सदैव साहित्य को ही अपना धर्म माना। वे कहा करते थे कि राजनीति क्षणिक हो सकती है पर कविता शाश्वत होती है। अपने काव्य के माध्यम से उन्होंने भारत की आत्मा को स्वर दिया। उनके लिए साहित्य केवल मनोरंजन या कला का माध्यम नहीं था बल्कि आत्मा का स्पर्श और सामाजिक जागरण का यंत्र था। उनकी आत्मकथात्मक टिप्पणियों में कुछ स्वप्नवत अनुभवों का उल्लेख भी मिलता है। वे कहते थे कि जब वे हिमालय की चोटियों पर अकेले चलते थे तो कभी-कभी उन्हें ऐसा प्रतीत होता था कि ब्रह्मांड की कोई अदृश्य शक्ति उनके भीतर उतर रही है। इन्हीं अनुभूतियों की परिणति 'चिदंबर' जैसे दार्शनिक ग्रंथ में हुई, जिसमें आत्मा और ब्रह्म के संवाद को काव्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह रचना न केवल साहित्यिक दृष्टि से अपूर्व है बल्कि भारतीय सांस्कृतिक चिंतन की भी एक अनूठी प्रस्तुति है।

पंत को बागवानी का भी अत्यंत शौक था। 'पंत

निवास' के आसपास उन्होंने अपने हाथों से फूल-पौधे लगाए थे और वे प्रत्येक पौधे को नाम देते थे, जैसे कोई अपने बच्चों को देता है। उनकी प्रिय चंपा, बेला और गुलाब की क्यारियां आज भी वहां मौजूद हैं और ऐसा प्रतीत होता है, मानो पंत आज भी वहीं कहीं शब्दों की बगिया में ध्यानरत हैं। उनका अंतिम समय अत्यंत भावुक करने वाला था। कहा जाता है कि मृत्यु से कुछ दिन पहले उन्होंने एक कविता लिखी थी 'अब लौट चले', जिसमें जीवन से विदा लेने की आत्मीय पुकार थी। यह कविता उनके निधन के कुछ दिन बाद प्रकाशित हुई और आज भी जब कोई पाठक इसे पढ़ता है तो उसकी आंखें नम हो जाती हैं। यह केवल एक विदाई नहीं थी, यह जीवन की पूर्णता की घोषणा थी, एक साधक का अंतिम प्रणाम।

सुमित्रानंदन पंत को भारत सरकार और विभिन्न संस्थाओं द्वारा अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें पद्मभूषण, साहित्य अकादमी पुरस्कार और ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रमुख हैं। 1968 में उन्हें उनके काव्य संग्रह 'चिदंबर' के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया, जो उस साधना की सार्वजनिक स्वीकृति थी, जो उन्होंने जीवनभर निभाई। पंत ने शब्दों को केवल भाषा में नहीं, चेतना में ढ़ाला। उन्होंने कवि को समाज का दीपक कहा, जो अंधकार में प्रकाश करता है। उनकी कविताएं आज भी उस दीपक की लौ की तरह जल रही हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को सौंदर्य, करुणा और मानवता का मार्ग दिखाती रहेंगी। उनका स्मरण करना केवल किसी साहित्यकार को श्रद्धांजलि देना नहीं बल्कि उस आत्मचेतना का पुनर्जागरण है, जो हर युग में जीवन के अर्थ को फिर से खोजने के लिए जरूरी होती है। वे एक ऐसे कवि थे, जिन्होंने अपने समय से आगे देखा और जिनकी दृष्टि आज भी हमारे भविष्य को आलोकित करती है।

पुस्तक समीक्षा

प्रकाश कान्त

समीक्षक

सुमन कुमावत के दूसरे कविता-संग्रह 'मेरी हँसी की भाषा' की भूमिका में बरिष्ठ कवि आशुतोष दुबे ने संग्रह की कुछ खास बातों को रेखांकित किया है। इन कविताओं की प्रभावशाली कल्पना-प्रवणता, व्यक्त को अभिव्यक्त करने की विकलता और अमूर्त बिम्ब! साथ ही कविताओं में दर्ज स्मृति, उनमें अनुभव होने एकांत और जीवन की विडम्बनाओं को भी लक्षित किया है। स्त्रियों की अदृष्ट पीड़ा, घुटे हुए हाहकार की अंतर्धारा, मार्मिकता और व्यंग्यकता को भी।

दरमियानी तबके की एक आम स्त्री का अनुभव-संसार इन कविताओं का संसार है अनुभूत संसार। संग्रह की अधिकतर कविताएँ उसी से निकली हैं, जिनमें से ज्यादातर स्त्री को लेकर या स्त्री की तरफ से हैं। स्त्री इन कविताओं की अनिवार्य

हँसी के भीतर अपनी भाषा ढूँढती कविताएँ

दरमियानी तबके की एक आम स्त्री का अनुभव-संसार इन कविताओं का संसार है अनुभूत संसार। संग्रह की अधिकतर कविताएँ उसी से निकली हैं, जिनमें से ज्यादातर स्त्री को लेकर या स्त्री की तरफ से हैं। स्त्री इन कविताओं की अनिवार्य उपस्थिति है। यह परिचित स्त्री है सामान्य नौकरी-पेशा घर-परिवारों की पढ़ी-लिखी स्त्री, अमूमन कामकाजी भी। घर-परिवार और अपने कार्यस्थल के बीच निरंतर दौड़ती-भागती, कई तरह की चिंताओं से ग्रस्त! अपने पिछले घर, पिता के घर को याद करती, उसकी खोज-खबर लेती। यह 'अबके बरस भेज भैया को बाबुल...' वाले फ़िल्मी गीत से आगे की स्त्री है, कई मामलों में आत्मनिर्भर। उसके जुड़ाव जीवंत हैं, छोटी-मोटी बाधाओं के बावजूद। यह स्त्री पिछले हज़ार वर्षों के सामाजिक ढाँचे द्वारा अपनी ज़रूरत के हिसाब से निर्मित और विकसित स्त्री है।

बांधवगढ़: शिकारगाह से टाइगर रिजर्व तक बेमिसाल संरक्षण यात्रा

भारत के प्रमुख टाइगर रिजर्वों में शामिल बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व आज केवल बाघों के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी समृद्ध जैव विविधता, ऐतिहासिक विरासत और सफल वन्यजीव संरक्षण प्रयासों के कारण भी विश्वभर में प्रसिद्ध है। घने जंगलों, प्राचीन पहाड़ियों, दुर्लभ वन्यजीवों और प्राकृतिक जल स्रोतों से भरपूर बांधवगढ़ आज प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीव फोटोग्राफरों की पहली पसंद बन चुका है।

कभी बांधवगढ़ का जंगल Maharajas of Rewa की निजी शिकारगाह हुआ करता था। यहां राजघराने द्वारा शिकार अभियानों का आयोजन किया जाता था। इसी धरती ने दुनिया को प्रसिद्ध सफेद बाघ 'Mohan' दिया, जिसे वर्ष 1951 में रीवा रियासत के महाराजा मातंड सिंह ने खोजा था। मोहन को विश्व के सभी सफेद बाघों का मूल माना जाता है।

समय के साथ अत्यधिक शिकार और मानवीय हस्तक्षेप के कारण जंगलों में वन्यजीवों की संख्या तेजी से घटने लगी। इसके बाद वन विभाग और सरकार ने संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। पहले इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया और बाद में वर्ष 1993 में बांधवगढ़ को आधिकारिक रूप से टाइगर रिजर्व का दर्जा मिला।

आज वन विभाग की सतत निगरानी, गश्त और वैज्ञानिक प्रबंधन के कारण बांधवगढ़ वन्यजीव संरक्षण का सफल मॉडल बन चुका है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की पहचान केवल बाघों के लिए ही नहीं, बल्कि इसकी ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहरों के लिए भी की जाती है। बांधवगढ़ में लगभग 582 एकड़ क्षेत्र में फैले

12 प्राचीन तालाब आज भी इस जंगल की जीवनरेखा माने जाते हैं। माना जाता है कि इन तालाबों का निर्माण प्राचीन काल में जल संरक्षण और वन्यजीवों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया था।

ये तालाब आज भी जंगल के परिस्थितिकीय संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन तालाबों के आसपास फैले घने साल और सागौन के जंगल बांधवगढ़ की सुंदरता को और अधिक अद्भुत बनाते हैं। प्रकृति, इतिहास और वन्यजीवन का ऐसा अनोखा संगम बांधवगढ़ को देश के सबसे विशेष टाइगर रिजर्वों में शामिल करता है।

बांधवगढ़ में गौरों की वापसी भारत के सबसे सफल वन्यजीव पुनर्स्थापन अभियानों में गिनी जाती है। एक समय लगभग विलुप्त हो चुके गौर के संरक्षण के लिए मग्न वन विभाग ने वर्ष 2012 में गौर पुनर्स्थापन परियोजना शुरू की। 2026 में तीसरे चरण के तहत 27 गौरों का सफल ट्रांसलोकेशन किया गया, जिसका उद्देश्य उनकी आनुवंशिक विविधता को मजबूत करना था। धीरे-धीरे गौरों ने जंगल को अपना नया आवास बना लिया और उनकी संख्या बढ़ने लगी। वर्तमान में बांधवगढ़ में गौरों की संख्या लगभग 160 तक पहुंच चुकी है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व लंबे समय से बाघों की धरती के रूप में प्रसिद्ध रहा है, लेकिन आवास बनाया। वन विभाग के अनुसार वर्तमान में बांधवगढ़ और आसपास के वन क्षेत्रों में लगभग 80 से 90 जंगली हाथी मौजूद हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हाथी जंगल में नए रास्ते और घासभूमियां विकसित करते हैं, जिससे हिरण, सांभर, चितल और बारहसिंगा जैसे शाकाहारी

पिछले कुछ वर्षों में यहां एशियाई जंगली हाथियों की बढ़ती मौजूदगी ने जंगल के परिस्थितिकीय तंत्र में बड़ा बदलाव लाया है। वर्ष 2017-18 से ओडिशा और छत्तीसगढ़ के जंगलों से हाथियों के झुंड स्वाभाविक रूप से बांधवगढ़ पहुंचने लगे। उन्होंने स्वयं इस क्षेत्र को अपना नया



महत्वपूर्ण पहल है। एक समय मध्य भारत में बारहसिंगा बड़ी संख्या में पाए जाते थे, लेकिन शिकार, आवास की कमी और पर्यावरणीय बदलावों के कारण इनकी संख्या तेजी से घट गई। इसी को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने मगधी रेंज में इनके लिए यह विशेष संरक्षण क्षेत्र विकसित किया, क्योंकि यहां का घासभूमि और

वन्यजीवों को लाभ मिलता है। साथ ही बीजों के प्रसार से जंगल का प्राकृतिक पुनर्जनन भी तेजी से होता है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मगधी रेंज में विकसित लगभग 75 हेक्टेयर का बारहसिंगा संरक्षण क्षेत्र वन्यजीव संरक्षण की एक

है। उसकी इच्छा सम्पूर्ण रूप से मुक्त होने की भी है। उसकी स्मृतियों में उल्लास, मौन, थकान और हँसी की तलाश शामिल है। यह सब मिलकर स्त्री की भाषा की तलाश बन जात है। इसके अलावा इन कविताओं में तारा, राग मल्हार, लिबास, पतझड़, तपिश, पलाश, धूप, चिड़िया, पिता जैसी अलग-अलग चीजें भी हैं।

इन कविताओं की भाषा स्त्री के लिए सदियों से स्थगित और वर्जित रखी गई भाषा

जल स्रोत इनके लिए अनुकूल हैं। परियोजना के सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं—बारहसिंगों की संख्या में वृद्धि हो रही है और उनका व्यवहार भी प्राकृतिक होता जा रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का ताला जोन हमेशा से बाघों की शानदार गतिविधियों और रोमांचक सफारी अनुभवों के लिए प्रसिद्ध रहा है। लेकिन एक ही सफारी में 9 बाघों का दिखाई देना अपने आप में एक ऐतिहासिक और बेहद दुर्लभ घटना मानी गई। बाघों की मौजूदगी ने पर्यटकों और वन्यजीव प्रेमियों को रोमांच से भर दिया। यही कारण है कि अन्य टाइगर रिजर्वों की तुलना में भी बांधवगढ़ को 'शेरों का गढ़' कहा जाता है। यह अनुभव पर्यटकों के लिए जीवनभर याद रहने वाला पल बन गया।

पिछली गणना के अनुसार बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में लगभग 220 बाघों की मौजूदगी दर्ज की गई थी, जो वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। कि आने वाली गणनाओं में यह आंकड़ा और अधिक बढ़ सकता है।

बांधवगढ़ का नाम आते ही महत्वपूर्ण पहल है। एक समय मध्य भारत में बारहसिंगा बड़ी संख्या में पाए जाते थे, लेकिन शिकार, आवास की कमी और पर्यावरणीय बदलावों के कारण इनकी संख्या तेजी से घट गई। इसी को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने मगधी रेंज में इनके लिए यह विशेष संरक्षण क्षेत्र विकसित किया, क्योंकि यहां का घासभूमि और

की तलाश है। कविताओं की आत्मपरकता स्वाभाविक है, जिससे उनमें एक तरह की तरलता है। वे जड़ होने से बच पाई हैं। और जैसा कि आशुतोष दुबे ने कहा है, उनमें वे सारे बीज, पथ-चिह्न हैं जो आत्मीय काव्य-यात्रा में निखरेंगे और विकसित होंगे। काव्य संग्रह: मेरी हँसी की भाषा

लेखक: सुमन कुमावत
मूल्य: 200 रुपये
प्रकाशन: वेरा प्रकाशन, जयपुर

अलग पहचान है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई उसकी एक झलक पाने के लिए उत्साहित रहता है। बजरंग ने न केवल पर्यटकों को आकर्षित किया है, बल्कि बांधवगढ़ को विश्वभर में नई पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बांधवगढ़ के चर्चित नर बाघ 'पुजारी' की मौत ने वन्यजीव प्रेमियों को गहरा दुख पहुंचाया। डी-1 टाइगर के साथ संघर्ष में पुजारी की मृत्यु हो गई, जिसने पर्यटकों, स्थानीय निवासियों और वन विभाग के कर्मचारियों को भावुक कर दिया। पुजारी वाइल्डलाइफ फोटोग्राफरों और पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय था। वह अक्सर कैमरों के सामने शानदार अंदाज में दिखाई देता था। स्थानीय लोगों ने उसका नाम 'पुजारी' इसलिए रखा था क्योंकि सुबह के समय वह ऐसी मुद्रा में दिखाई देता था, मानो सूर्य को प्रणाम कर रहा हो। उसकी मौत पर सोशल मीडिया पर उमड़ी यह संवेदनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि पुजारी केवल एक बाघ नहीं, बल्कि लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ एक जीवंत प्रतीक बन चुका था।

आज बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व केवल एक टाइगर रिजर्व नहीं, बल्कि सफल वन्यजीव संरक्षण, समृद्ध जैव विविधता और मानव-प्रकृति संबंध का जीवंत उदाहरण बन चुका है। वन विभाग, स्थानीय समुदाय और संरक्षण विशेषज्ञों के संयुक्त प्रयासों ने बांधवगढ़ को विश्व स्तर पर नई पहचान दिलाई है।

प्रभारी मंत्री ने जनसुनवाई में सुनी, नागरिकों की समस्याएं सरकार की प्राथमिकता आम नागरिकों को समय पर राहत पहुंचाना : प्रभारी मंत्री



बैतूल। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री तथा बैतूल जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री तथा बैतूल जिले के प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आम नागरिकों को समय पर राहत पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों का व्यवस्थित निराकरण सात दिनों के भीतर किया जाए, ताकि लोगों को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़े। लापरवाही पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम अंधारिया निवासी रामकिशोर के सीमांकन संबंधी आवेदन पर प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने आमला एसडीएम को एक सप्ताह में आवेदक की समस्या का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। वहीं भयावादी में नदी में अवैध उत्खनन की शिकायत पर शाहपुर एसडीएम को निरीक्षण के निर्देश दिए। बैतूल तहसीलदार द्वारा पट्टा वाला मकान तोड़े जाने की शिकायत पर प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने बैतूल एसडीएम को तत्काल निरीक्षण कर आवेदक की समस्या की निराकरण के निर्देश दिए। इसके अलावा भी प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने जनसुनवाई में आए ग्रामीणों की समस्याओं पर सुनवाई कर त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. सोरभ संजय सोनवणे और अपर

कलेक्टर वंदना जाट ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

भूमि का सीमांकन किए जाने के लिए निर्देश- जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम बिरुल बाजार निवासी सुदर्शन ने अनावेदक द्वारा भूमि पर किए जा रहे अवैध कब्जे को रोकने के लिए आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने मुलताई एसडीएम को सीमांकन कर आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। तिलक वाई टिकारी बैतूल निवासी राधाबाई यादव ने बिना सीमांकन किए उनकी भूमि पर मकान बनाए जाने की शिकायत की, जिस पर कलेक्टर ने बैतूल तहसीलदार को आवेदक की समस्या का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए।

पट्टा नवीनीकरण किए जाने की मांग

मुलताई के शास्त्री वार्ड निवासी शंकरलाल सोनी ने पट्टा नवीनीकरण किए जाने के लिए आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर ने मुलताई एसडीएम को आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। चिखलीमाल निवासी सुभाष यादव ने ग्राम में हैंडपंप स्वीकृत किए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने घोड़ाडोंगरी जनपद सीईओ को आवेदक की समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम मरामझिरी निवासी रामचरित यादव ने फसल नुकसान की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर ने बैतूल तहसीलदार को आवेदक की समस्या के निराकरण के लिए निर्देशित किया। घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम फुलबेरिया निवासी रुद्र सरकार ने ट्राईसार्सिकल के लिए आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर ने सामाजिक न्याय विभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। मुलताई निवासी योगेश पटनकर ने जल योजना के तहत खुदी नाली को बरबर नहीं किए जाने की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ को निरीक्षण कर प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

स्वावलंबी भारत अभियान का एक दिवसीय जिला विचार एवं प्रशिक्षण वर्ग संपन्न



बैतूल। स्वदेशी विचार एवं आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वावलंबी भारत अभियान का एक दिवसीय जिला विचार एवं प्रशिक्षण वर्ग भारतीय एगो क्लस्टर, महानुपा, खंडवा रोड बैतूल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम तीन सत्रों में आयोजित किया गया, जिसमें स्वदेशी, जैविक उद्यमिता, महिला सहभागिता एवं आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रथम सत्र में अरुण मालवीया (विभाग पूर्णकालिक, नर्मदापुरम विभाग) ने स्वावलंबी भारत अभियान विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत की आर्थिक स्वतंत्रता का आधार स्वदेशी चिंतन एवं स्थानीय उद्यमिता है। उन्होंने युवाओं से रोजगार खोजने के बजाय रोजगार देने वाला बनने का आह्वान किया। साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था, लघु उद्योग एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके पश्चात श्रीमती हेमलता कुंभारे सह महिला कार्य प्रमुख, मध्य भारत प्रांत ने स्वदेशी में महिला कार्य की भूमिका विषय पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भारतीय परिवार व्यवस्था एवं स्वदेशी संस्कारों के संरक्षण में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार, कुटीर एवं सामाजिक जागरण से जुड़ने का आह्वान किया। द्वितीय सत्र में राहुल कावले (जिला समन्वयक, स्वावलंबी भारत

अभियान बैतूल) ने श्रद्धेय दत्तोपंत टेंगड़ी जी के जीवन, विचार एवं संगठन निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि टेंगड़ी जी ने स्वदेशी आधारित आर्थिक मॉडल को भारत के भविष्य के लिए आवश्यक बताया था। इस सत्र की अध्यक्षता प्रेम सूर्यवंशी संचालक, पार्थ एजेंसी बैतूल ने की। इसी क्रम में धर्मेन्द्र सिंह परिहार जिला युवा आयाम प्रमुख ने जैविक उद्यमिता विषय पर अपने विचार रखते हुए प्राकृतिक खेती, जैविक उत्पाद एवं ग्रामीण आधारित रोजगार के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि जैविक खेती आर्थिक सशक्तिकरण का भी माध्यम बन सकती है। अंतिम सत्र में केशव दुबौलिया (दो क्षेत्र पश्चिम और मध्य क्षेत्र के संगठक स्वदेशी जागरण मंच) का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने स्वदेशी की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की संस्कृति, अर्थव्यवस्था एवं आत्मसम्मान का आधार स्वदेशी विचार ही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वदेशी विचार पहुंचाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में विपिन अग्रवाल (इनुमंत शुगर मिल) ने सफल उद्यमी के रूप में अपने अनुभव साझा किए तथा युवाओं को उद्योग एवं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही युवा उद्यमी महेंद्र पिंपलकर की भी विशेष उपस्थिति रही। इसी बीच वर्ग का मंच संचालन राजू आठनरे द्वारा किया गया।

प्रसव के बाद महिला की मौत पर हंगामा, परिजन शव लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे

बैतूल। मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के बाद एक महिला की मौत हो जाने पर मंगलवार को परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए महिला का शव एंब्युलेंस में रखकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर जांच और कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच का आश्वासन दिया। जानकारी के मुताबिक पारस ठानी गांव निवासी 30 वर्षीय रोशनी पवार, पति कमलनाथ पवार को सोमवार को प्रसूति के लिए मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। रोशनी के पति कमलनाथ पवार पांडुंगा की एक निजी कंपनी में एचआर पद पर कार्यरत हैं। परिजनों के अनुसार भर्ती के समय महिला की स्थिति सामान्य थी और उसके सभी स्वास्थ्य पैरामीटर भी सामान्य बताए गए थे। मंगलवार सुबह करीब 7.45 बजे रोशनी की सामान्य डिलीवरी हुई और उसने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। परिजनों का आरोप है कि डिलीवरी के बाद महिला को लगातार ब्लॉडिंग शुरू हो गई, जो सुबह 10 बजे तक जारी रही। परिवार का कहना है कि हालत बिगड़ने के बावजूद समय पर उचित उपचार नहीं मिला और रेफर करने में भी देरी की गई। महिला के पति



कमलनाथ पवार ने आरोप लगाया कि जब स्थिति गंभीर हो गई, तब अस्पताल प्रबंधन ने रोशनी को रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि

नवजात बच्चे को दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कमलनाथ ने कहा, हमने इलाज में कोई देरी नहीं की। मैं अपनी पत्नी को सुरक्षित रखना चाहता था, लेकिन

अस्पताल में लापरवाही हुई है। मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

शव लेकर पहुंचे कलेक्ट्रेट, जांच का आश्वासन

घटना के बाद परिजन शव को शव वाहन में रखकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मौके पर सीएमएचओ डॉ. मनोज हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरें और आरएमओ डॉ. रानू वर्मा पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से चर्चा कर जांच का भरोसा दिलाया। इसके बाद शव को जिला अस्पताल भेजा गया, जहाँ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रूपा श्रीवास्तव और डॉ. देव प्रकाश तिवारी के पैलन ने पोस्टमार्टम किया। अधिकारियों ने परिजनों से चर्चा कर दस्तावेजों में हीमोग्लोबिन स्तर 10 दर्ज था और उसे खून की कोई कमी नहीं थी। यह उसकी दूसरी डिलीवरी थी। इससे पहले भी उसका सामान्य प्रसव हो चुका था। परिजन का आरोप है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव और उसके बाद उपचार में गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसके कारण रोशनी पवार की मौत हुई।

कतिया समाज की बैठक सूर्यवंशी के निवास पर सम्पन्न हुई

सोहागपुर। कतिया समाज की उप समिति की बैठक भाजपा नेता एवं कतिया समाज के जिला नर्मदापुरम उपाध्यक्ष नितिन कुमार सूर्यवंशी के निवास पलास परिसर में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता नितिन सूर्यवंशी ने की। इस बैठक में जिला कतिया समाज समिति नर्मदापुरम के अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार अमरवंशी, किरीश प्रसाद आरसे नर्मदापुरम एवं माननीय ब्रजकिशोर पठारिया जिला पंचायत सदस्य विशेष रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा सर्वश्री राधेश्याम अमरवंशी, के.एल. ब्राह्मवंशी, परमसुख पठारिया, गोविंद ब्रह्मवंशी, लखन लाल नागवंशी, तरुण सूर्यवंशी, ठाकुर दास,छानलाल पपारे, रितेश कुमार, राजेश पठारिया, नितेश सूर्यवंशी, राजू पठारिया समनापुर, मातृशक्ति श्रीमती गौरी, श्रीमती देवा सूर्यवंशी, श्रीमती जिजानबाई अमरवंशी, आनंद अमरवंशी, सुंदरलाल आदि गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में



सम्पन्न हुई। इस गरिमामय कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजन अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद में सत भूरा भगत, एवं मां नर्मदा की पूजन अर्चना अतिथियों ने की। श्री नितिन सूर्यवंशी आदि अतिथियों ने जिला अध्यक्ष का आर.बी. सूर्यवंशी का

शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। इसके साथ जिला पंचायत सदस्य का पुष्पहार से आपका स्वागत किया गया। बैठक में अनुशासन, नैतिकता व सामाजिक मर्यादा मुख्य चर्चा का विषय रहा। जिसमें सामाजिक मर्यादा पर मुख्य चर्चा का बिन्दु रहा। इसके पश्चात

उप समिति के गठन के विषय में चर्चा की गई। जिसमें समिति बनाने हेतु सदस्यता अभियान चलाने एवं न्यूनतम राशि ₹. 5 सौ रुपये की राशि सर्व समिति से निर्धारित की गई।

समिति सोहागपुर विकासखंड के लगभग 25 ग्रामों से लगभग 75 सदस्यों को 15 जून तक बनाने हेतु कार्य सौंपा गया। इसके उपरंत 5 जुलाई 2026 को चुनाव की प्रक्रिया की तिथि निर्धारित की गई। इसके अलावा भी कई विषय विषयों पर चर्चाएं की गईं। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस बैठक में मातृशक्ति ने भी अपनी भागीदारी के निर्वाह। महिला को भी समाज में विशेष सहभागिता प्रदान करने का महत्वपूर्ण चर्चा की गई। इस बैठक में कार्यक्रम के परिवर्तन का पूरा अधिकार जिला कतिया समाज समिति के सचिव के पास रहेगा। अंत में रामभरोस सूर्यवंशी ने आभार व्यक्त किया।

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री पटेल ने वंदे भारत ट्रेन से किया सफर प्रधानमंत्री के सार्वजनिक परिवहन उपयोग के आह्वान को किया आत्मसात



बैतूल। मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री तथा बैतूल जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने मंगलवार को अपने प्रभार के जिले बैतूल पहुंचने के लिए वंदे भारत ट्रेन से यात्रा कर मितव्ययता एवं सार्वजनिक परिवहन के उपयोग का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन की बचत तथा सार्वजनिक परिवहन के अधिकाधिक उपयोग की अपील की है। इसी क्रम में प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने भोपाल से बैतूल रेलवे स्टेशन तक वंदे भारत ट्रेन में यात्रा की। इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था न केवल ईंधन बचत में सहायक है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और यातायात दबाव कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने आमजन से भी दैनिक जीवन में सार्वजनिक परिवहन को अपनाने की अपील की।

जगन्नाथ परम्परा में तुझमें, मुझमें का भेद नहीं है, उत्थान पतन सामाजिक प्रक्रिया है, उड़ीसा में कल्क अवतार होगा : डॉ. काशीनाथ मिश्र उड़ीसा

(होरालाल गोलांनी)

भोपाल। जगन्नाथ संस्कृति परम्परा, जगन्नाथ महाप्रभु में तुझमें मुझमें का भेद नहीं है। उत्थान एवं पतन सामाजिक प्रक्रिया है समाज के नागरिकों को विचार करके गरीब, जीव, जन्तु चांड़ल सबको एक समान दर्जा दो। मनुष्य को मन की बढ़ाई से बचना चाहिए। आजकल हर व्यक्ति को पगए का सुख देकर स्वयं दुःखी होता है। मैं समस्त नागरिकों एवं मातृशक्ति को सलाह देता हूँ कि इस विकृति से अलग होना पड़ेगा। मानव मात्र को अपना जीवन सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। इसका सरल उपाय आपको बतलाता हूँ। श्रीमद्भगवत कथा का कम से कम एक अध्याय को आवश्यक पढ़ें। समस्त कल्याणकारी है। मैं किसी को अपना शिष्य नहीं बनाता हूँ। आप सभी को सलाह देता हूँ कि आप भगवान् जगन्नाथ प्रभु को अपना जीवन समर्पित करके उसके गुरु बना लें। उक्त उद्धार



जगन्नाथ संस्कृति के विशारद विद्वान पंडित डॉ. काशीनाथ मिश्र जी ने भोपाल गलर्स स्कूल परिसर पंचवटी कालोनी में कहे। उक्त श्रीमद्भगवत कथा, भक्ति मालिका पुराण का सप्त दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती नीरजा गोलांनी खूबचदानी एवं पंकज

खूबचदानी इन्द्र विहार कालोनी के द्वारा किया जा रहा है।

महंतों का आगमन- भोपाल गलर्स स्कूल पंचवटी परिसर उस समय धन्य हो गई जब कथा चतुर्थ दिवस उक्त आयोजन में महामंडलेश्वर स्वामी अनिल आनंद जी

खाट्ट्यामजी मंदिर सिन्धी कालोनी, श्री महंत कन्हैया दासजी महाराज, महंत लोकनाथ योगी जी महंत विनोद जी उदारी, पंडित श्री पवन दुवे, पंडित श्री राधावल्लभ पाठक कथा श्रवण करने पहुंचे। उपस्थित जनों उनका करतल ध्वनि से स्वागत किया। उनका डाक्टर काशीनाथ मिश्र उड़ीसा ने अभिवादन किया। इसी अवसर पर महामंडलेश्वर सहित समस्त सम्माननीय संतों ने डाक्टर काशीनाथ जी मिश्र का शाल पहनाकर स्वागत किया। वहीं डा. काशीनाथ मिश्र उड़ीसा ने भी समस्त सम्माननीय संतों का शाल ओढ़कर सम्मानित किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी अनिल आनंद जी महाराज खाट्ट्यामजी मंदिर सिन्धी कालोनी भोपाल ने श्रद्धालुओं भक्तों को संबोधित करते हुए कहा इस क्षण पर जगन्नाथ संस्कृति के डॉ. काशीनाथ जी मिश्र जैसे संतों का आगमन पंचवटी कालोनी के समस्त जनों के लिए ईश्वर शुभ संकेत है।

जल संवाद में पर्यावरण पत्रकार कुमार सिद्धार्थ सम्मानित



इंदौर। नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के 'जल संवाद-2026' में पर्यावरण पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए इंदौर के पर्यावरण पत्रकार कुमार सिद्धार्थ को सड़क

परिवहन एवं राजगम मंत्री नितिन गडकरी एवं पंच विभूषण से अलंकृत पर्यावरणविद् अनिल प्रकाश जोशी ने शाल, प्रतीक चिन्ह और सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

कुमार सिद्धार्थ को यह सम्मान उन्हें पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन और प्रकृति से जुड़े विषयों पर लंबे समय से किए जा रहे लेखन कार्य एवं जनजागरण के लिए प्रदान किया गया। देशभर से आए जल विशेषज्ञों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पर्यावरण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में उनके योगदान की विशेष सराहना की गई।

कुमार सिद्धार्थ पिछले लगभग तीन दशकों से पर्यावरण, जल संरक्षण, जैव विविधता, प्रकृति संरक्षण और सतत विकास जैसे विषयों पर लगातार लेखन कर रहे हैं।

कुमार सिद्धार्थ पिछले 25 वर्षों से सर्वोदय प्रेस सर्विस (संप्रस), इंदौर, पर्यावरण विकास पत्रिका के संपादन तथा पर्यावरण डेजिस्ट (रतलाम) जैसे प्रकाशनों से भी जुड़े हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तरखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्री भुवन चंद्र खंडूरी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

एम्स भोपाल ने किया चौथा सफल हृदय प्रत्यारोपण

भोपाल। एम्स भोपाल ने चौथा हृदय प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक पूरा कर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। यह हृदय एक ब्रेन-डेड मरीज से प्राप्त किया गया था। उनके परिजनों ने मानवता और अंगदान की भावना को सर्वोपरि रखते हुए अंगदान के लिए सहमति प्रदान की, जिसके कारण यह जीवनरक्षक प्रत्यारोपण संभव हो सका।

प्रत्यारोपण प्राप्त करने वाली 26 वर्षीय महिला मरीज भोपाल की निवासी थी, जो पोस्ट पाटम डेडलेटेड कार्डियोमायोपैथी से पीड़ित

थी। मरीज को 25 अप्रैल 2026 को एम्स भोपाल में भर्ती किया गया था और उसी दिन सफलतापूर्वक हृदय प्रत्यारोपण किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख, निरंतर निगरानी और उपचार के बाद मरीज के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ तथा 19 मई को उसे स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

प्रत्यारोपण की इस जटिल प्रक्रिया को कार्डियोथोरैसिक एवं वैस्क्युलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग की विशेषज्ञ टीम ने उच्च दक्षता

और समन्वय के साथ अंजाम दिया। एम्स में चिकित्सकों व अन्य टीम ने प्रत्यारोपण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एम्स भोपाल द्वारा चौथे सफल हृदय प्रत्यारोपण का संपन्न होना संस्थान की उन्नत चिकित्सा सेवाओं और विशेषज्ञता का प्रमाण है। व उन्होंने अंगदान करने वाले परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर

विदिशा (निप्र)। प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने आज जिले में सीएम हेल्पलाइन के लंबित आवेदनों की गहन समीक्षा करते हुए सभी विभागों के अधिकारियों को शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विशेष ध्यान दें, ताकि जिला एक ग्रेड सूची में शामिल होकर बेहतर रैंकिंग प्राप्त कर सके। बैठक में प्रभारी कलेक्टर श्री डामोर ने विभागवार लंबित शिकायतों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का समाधान स्थानीय स्तर पर ही प्राथमिकता के साथ किया जाए, जिससे आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता से सतत संवाद बनाए रखते हुए समाधान की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही निराकृत प्रकरणों में संतुष्टि स्तर बेहतर रखने के लिए गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए गए। प्रभारी कलेक्टर ने जिले की मासिक ग्रेडिंग एवं रैंकिंग सुधारने के लिए विभागों की समन्वय, नियमित मॉनिटरिंग तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी व्यवस्था है, जिसके माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जाना आवश्यक है। कलेक्टर के नेता सभागार में आयोजित इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत हरदा में कृषि रथ का हुआ शुभारंभ

हरदा (निप्र)। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में शनिवार को जिला हरदा में 'कृषि रथ' अभियान का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही टिमरनी एवं खिरकिया विकासखंडों में भी तीन कृषि रथों का संचालन शुरू हुआ, जो आगामी 10 दिनों तक ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेंगे। जिले के कृषि रथ को जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शनसिंह गहलोत, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा, उप संचालक कृषि श्री जे.एल. कासदे, कृषि वैज्ञानिक डॉ. पुष्पा झरिया, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यनारायण बांके एवं अन्य विभागीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उप संचालक श्री कासदे ने बताया कि कृषि रथ के माध्यम से जिले की ग्राम पंचायतों में पहुंचकर किसानों को ई-विकास प्रणाली से उर्वरक वितरण व एग्री स्टैंड पर फार्मर आईडी बनाने, संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, कीट एवं रोग प्रबंधन, नरवाई प्रबंधन, फसल विविधीकरण, कृषि को लाभकारी बनाने के उपाय व विभाग की जनकल्याणकारी योजनाएं, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित शासन की अन्य योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। कृषि रथ में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक तथा कृषि, आत्मा परियोजना, पशुपालन, उद्यमिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी प्रतिदिन मौजूद रहकर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन देंगे। कृषि रथ योजना 3 से 4 ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर किसानों से सीधे संवाद कर उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों एवं योजनाओं से लाभांशित करेगा। कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय डेगू दिवस पर दिलाई डेगू नियंत्रण की राध

हरदा (निप्र)। प्रतिवर्षनासुर इस वर्ष भी 16 मई को राष्ट्रीय डेगू दिवस 'डेगू नियंत्रण के लिए जनभागीदारी, जाँच करें, सफाई करें और ढके' थीम पर मनाया गया। इस अवसर पर जिला मुख्यालय सहित सभी स्वास्थ्य संस्थाओं पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने कर्मचारियों व आमजन को डेगू नियंत्रण की शपथ दिलाई। उन्होंने अपील की कि टर्कियों, कुल्लरों व अन्य पार्श्वों में जमा पानी में हर तीन दिन में मच्छर के लार्वा की जाँच करें, सफाई करें और पानी को ढककर रखें। डॉ. सिंह ने कहा, 'डेगू फैलाने वाला एडीज मच्छर साफ व रुके हुए पानी में अंडे देता है। इसलिए घर व आस-पास पानी जमा न होने दें और निकासी की व्यवस्था करें। डेगू नियंत्रण के लिए हम सभी की जागरूकता और सहभागिता जरूरी है।' इस अवसर पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा सभी स्वास्थ्य संस्थाओं पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुए। ग्रामों में नारा लेखन, ऑटो से माइकिंग व पंपलेट वितरण कर लोगों को जागरूक किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने बताया कि डेगू से संक्रमित होने के 4-7 दिन में तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशी-हड्डी-जोड़ों में दर्द, उल्टी, आँखों में दर्द, त्वचा पर लाल चकते, सांस लेने में कठिनाई, थकान, चिड़चिड़ापन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

मुवनेश्वर में पूर्वी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का केंद्रीय मंत्री शिवराज और ओडिशा के मुख्यमंत्री मांझी ने किया उद्घाटन

पूर्वी भारत बन सकता है देश के कृषि विकास का ग्रोथ इंजन : शिवराज सिंह चौहान

भुवनेश्वर/ नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को भुवनेश्वर के मेफेयर कन्वेंशन में ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी के साथ पूर्वी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने पूर्वी भारत की कृषि को अधिक उत्पादक, टिकाऊ, वैज्ञानिक और लाभकारी बनाने का सशक्त आह्वान किया। ओडिशा, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल से जुड़े इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में दलहन-तिलहन उत्पादन, छोटी जोत वाले किसानों के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग, प्राकृतिक खेती, किसान रजिस्ट्री, बागवानी, कृषि ऋण, विपणन, नकली कृषि आदानों पर नियंत्रण और किसान आय वृद्धि जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा का खाका रखा गया।

पूर्वी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह आयोजन केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूर्वी भारत की कृषि, किसानों की आजीविका और क्षेत्रीय कृषि रणनीति को नई दिशा देने के लिए गंभीर विचार-विमर्श का मंच है। श्री चौहान ने कहा

कि महाप्रभु जगन्नाथ की पावन धरती पर एकत्र हुई यह टीम एग्रीकल्चर पूर्वी भारत की खेती को सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि केवल धान और गेहूं से काम नहीं चलेगा, बल्कि दलहन, तिलहन, फल, सब्जियाँ और अन्य उच्च मूल्य फसलों की ओर भी आगे बढ़ना होगा, क्योंकि पूर्वी भारत में इन सभी क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्वी राज्यों में छोटी जोत एक बड़ी वास्तविकता है, इसलिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग को केवल नारा नहीं, बल्कि जमीन पर उतरा हुआ मॉडल बनाना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनाज के साथ फल, सब्जियाँ, मछली पालन, पशुपालन, मधुमक्खी पालन और कृषि वानिकी जैसी गतिविधियों को जोड़कर छोटे किसान की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने आईसीएसए, कृषि मंत्रियों और अधिकारियों से आग्रह किया कि इंटीग्रेटेड फार्मिंग के मॉडल किसानों तक प्रेरक और व्यवहारिक रूप में पहुंचें।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने टिकाऊ कृषि की दिशा में मृदा स्वास्थ्य की रक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि

सुनिश्चित करना, नुकसान होने पर भरपाई करना और कृषि का विविधीकरण करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि केवल धान और गेहूं से काम नहीं चलेगा, बल्कि दलहन, तिलहन, फल, सब्जियाँ और अन्य उच्च मूल्य फसलों की ओर भी आगे बढ़ना होगा, क्योंकि पूर्वी भारत में इन सभी क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्वी राज्यों में छोटी जोत एक बड़ी वास्तविकता है, इसलिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग को केवल नारा नहीं, बल्कि जमीन पर उतरा हुआ मॉडल बनाना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अनाज के साथ फल, सब्जियाँ, मछली पालन, पशुपालन, मधुमक्खी पालन और कृषि वानिकी जैसी गतिविधियों को जोड़कर छोटे किसान की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने आईसीएसए, कृषि मंत्रियों और अधिकारियों से आग्रह किया कि इंटीग्रेटेड फार्मिंग के मॉडल किसानों तक प्रेरक और व्यवहारिक रूप में पहुंचें।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने टिकाऊ कृषि की दिशा में मृदा स्वास्थ्य की रक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि

जल संरक्षण के संकल्प के साथ सापना नदी के भवानी घाट पर हुआ श्रमदान



बैतुल (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत रविवार को बैतुल बाजार की जीवनदायिनी सापना नदी के भवानी घाट पर विशाल श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नगर विकास प्रस्पुटन समिति एवं नगर परिषद बैतुल बाजार के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने

उपस्थित श्रमदानियों से जल संवाद करते हुए कहा कि सापना नदी ने पूरे क्षेत्र को हराभरा एवं समृद्ध बनाया है, लेकिन वर्तमान में यह नदी जल संकट एवं प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ी ने नदियों को सदाना एवं स्वच्छ रूप में देखा है और अब यह जिम्मेदारी हम सभी की है कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ एवं बहती नदियाँ सौंपें। कार्यक्रम में नगर विकास प्रस्पुटन समिति, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं

धार्मिक संगठनों के 100 से अधिक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नदी तट की स्वच्छता के लिए श्रमदान किया तथा जल संरक्षण का संदेश दिया। उपस्थित बुजुर्गों ने बताया कि पूर्व में गर्मी के दिनों में भी सापना नदी में पर्याप्त जल रहता था तथा लोग इसमें स्नान किया करते थे।

श्रमदान कार्यक्रम में नगर विकास प्रस्पुटन समिति बैतुल बाजार के अध्यक्ष श्री उमेश राठौर, सचिव श्री अभिषेक राठौर, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्री सुधाकर पवार, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्री नरेन्द्र शुक्ला, श्री संजय वर्मा, श्री जितेन्द्र वर्मा, रमेश पवार, कृष्ण कुमार वर्मा, दीपक वर्मा, विवेक शुक्ला, अरविंद राठौर, अजय पवार, अनूप वर्मा, भूपेन पवार, सुभाष राठौर, दीपक राठौर, सुनील पवार, सुरेन्द्र राठौर, विक्रम संश्रण पे, पंकज लोणारे, प्रदीप लोणारे, सारंग पात्रिकर, मनोज पवार, धर्मेन्द्र खवसे, रमेश चंद्र पवार, राजेश पवार सहित सिंह वाहिनी दुर्गा मंडल, गायत्री परिवार, योग परिवार, दुर्गा मंडल बाजार चौक, नवोक्त संस्थाओं एवं नगर के अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी, पर्यावरण प्रमुख श्री अमोल पानकर, नगर परिषद बैतुल बाजार के सी.एम.ओ. श्री देशमुख एवं नगर परिषद आमला का अमला भी सहभागी रहा।

जनगणना निदेशक ने बुधनी में किया जनगणना कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण

सोहोरा (निप्र)। जनगणना निदेशक श्री संजीव श्रीवास्तव ने बुधनी में जनगणना कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फील्ड पर पहुंचकर जनगणना कार्य की गुणवत्ता की जांच की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि बुधनी में जनगणना के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण का शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। प्रथम चरण में बुधनी तहसील अंतर्गत 20,743 मकानों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 77,107 जनसंख्या का विवरण संकलित किया गया है। निरीक्षण के दौरान जिला जनगणना अधिकारी श्री जमील खान, जनगणना के संयुक्त निदेशक श्री रामावतार पटेल, जिला जनगणना प्रभारी सुश्री यशस्य, तहसीलदार श्री ललित सोनी सहित अन्य अधिकारी, सुपरवाइजर और प्रणालि उपस्थित थे।

टाटा मेमोरियल सेंटर की एक यूनिट विदिशा में होगी प्रारंभ : केंद्रीय मंत्री चौहान

विदिशा (निप्र)। केंद्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज विदिशा के कलेक्ट्रेट स्थित बेतवा सभा कक्ष में रबी फसल उपार्जन की समीक्षा बैठक की। इस बैठक के पहले उन्होंने विदिशा सहित रायसेन, सोहोरा और देवास जिले के कैम्पस पीड़ित मरीजों की सुविधा के लिए कैम्पस जैसी गंभीर बीमारी के परीक्षण व इलाज की व्यवस्थाओं के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल सहित अन्य जिले के अधिकारियों और टाटा मेमोरियल सेंटर मुंबई के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की है। इस दौरान बैठक में विधायकगण सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा जिला प्रशासन की टीम भी मौजूद रही। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज



सिंह चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से टाटा मेमोरियल सेंटर की एक नवीन इकाई विदिशा में प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए स्थान का चिन्हांकन किया जाएगा,

अपितु भवन बनने में समय लगेगा इसके लिए टाटा मेमोरियल की टीम विदिशा में आयोजित केम्प के पहले टीम द्वारा व्यवस्थाओं के प्रबंधों का जायजा लेने हेतु विदिशा के शासकीय

अटल बिहारी वाजपेई चिकित्सा महाविद्यालय में प्रारंभिक सुविधा शुरू करने के उद्देश्य से निरीक्षण हेतु आएंगी। इस दौरान बतलाया गया कि मेडिकल कॉलेज में 5, 6 और 7 जून को सिर्फ कैम्पस जैसी घातक बीमारी का परीक्षण व पीड़ितों के उपचार हेतु वृहद शिविर का आयोजन किया गया है। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा की दिशा में यह कार्य किये जा रहे हैं, ताकि विदिशा सहित आसपास के अन्य जिले के कैम्पस पीड़ित मरीज अनावश्यक परेशानियों से बच सकें। उन्होंने कहा कि टाटा मेमोरियल सेंटर कैम्पस जैसी बीमारी के इलाज के लिए सबसे विश्वसनीय अस्पताल है। इसी उद्देश्य से विदिशा सहित आसपास के जिलों के कैम्पस पीड़ित मरीजों के उचित इलाज के लिए टाटा

मेमोरियल सेंटर की यह इकाई विदिशा में शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि 5, 6 और 7 जून तक तीन दिवस के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर के वरिष्ठ डाक्टर व विशेषज्ञों की टीम विदिशा आएगी। जिला प्रशासन के सहयोग से यहां पर कार्य किए जाएंगे ताकि कैम्पस जैसी बीमारी से पीड़ित मरीजों को टाटा मेमोरियल कैम्पस अस्पताल की तर्ज पर उचित उपचार मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही मिल सके। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि कैम्पस जैसी बीमारी से पीड़ित मरीजों की सुविधा के लिए कोमोथेरेपी जैसी सुविधाओं के लिए मेडिकल कॉलेज में शीघ्र ही प्रक्रिया शुरू की जाएगी। टाटा मेमोरियल सेंटर की टीम विदिशा में शीघ्र ही 15 दिवस के भीतर समस्त आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएंगी।

सभी नागरिक वयुआर कोड स्केन कर स्वच्छता सर्वेक्षण फीडबैक में करें सहभागिता : आयुवत श्री मोंडवे

सोहोरा (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में मध्यप्रदेश अपनी संकल्पबद्धता और जन-सहयोग के अनूठे संगम के साथ अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के कुल 406 नगरीय निकायों में स्वच्छता के प्रति जो उत्साह और चेष्टा जाग्रत हुई है, उसका प्रत्यक्ष प्रमाण नागरिकों द्वारा अब तक दर्ज कराए गए 19 लाख से अधिक फीडबैक हैं। यह संख्या न केवल नागरिकों की अपनी शहर की स्वच्छता के प्रति सजगता को दर्शाती है, बल्कि यह प्रदेश की उस सामूहिकता का भी परिचायक है जो मध्यप्रदेश को स्वच्छता के शिखर पर बनाए रखने के लिए तत्पर है। विभाग द्वारा इस विशाल जन-समर्थन को एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जो आगामी रैंकिंग में प्रदेश के शहरों की स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

बिजली उपभोक्ता सायबर जालसाजों से सावधान रहें : मंत्री श्री तोमर

बिजली बिल का भुगतान बिजली कंपनी के अधिकृत पेमेंट गेटवे अथवा बिजली कंपनी के केश काउण्टर पर ही करें

सोहोरा (निप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जौन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें। उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के केशलेस भुगतान के लिये कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, केश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सएप पे एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने के लिए किसी निजी मोबाइल नंबर से कॉल कर भुगतान करने के लिये कोई एसएमएस/ व्हाट्सएप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी द्वारा एसएमएस केवल निर्धारित सेंडर आईडी से ही भेजे जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए धाकम मैसेज से सतर्क रहें। कंपनी अंतर्गत

विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है।

आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जौन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे, अमेजान पे, व्हाट्सएप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। उपभोक्ता किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सएप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें। कंपनी के सज्जन में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने के लिये कहा जाता है, जिसमें बिल भुगतान करने के लिए भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने के लिये विशेष नंबर दबाएं, मोबाइल नंबर विशेष अथवा अनजान लिंक/ऐप पर क्लिक कर या संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं। इस प्रकार के एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज एवं आई.व्ही.आर. फोन कॉल फर्जी हैं। इन पर ध्यान नहीं दें। इस प्रकार के फर्जी सायबर जालसाजों से सतर्क और सावधान रहें। साइबर फ्रॉड संबंधित किसी भी घटना की सूचना तत्काल भारत सरकार की हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज कराएं।

सालभर पहले फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट ने ली थी 7 की जान

दमोह में फिर पकड़े गए 3 फर्जी एमबीबीएस डॉक्टर

दमोह (नप्र)। मध्य प्रदेश के सरकारी स्वास्थ्य सिस्टम में संधमारी का एक बेहद खौफनाक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दमोह जिले के सुभाष कॉलोनी स्थित सरकारी सजीवनी क्लिनिक में फर्जी डॉक्टरों की एक टोली करीब एक साल से मरीजों का इलाज कर रही थी। पुलिस ने जाली एमबीबीएस डिग्री और मेडिकल कार्डिसल के फर्जी रजिस्ट्रेशन



दस्तावेजों के आधार पर नौकरी पाने वाले दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य को हिरासत में लिया गया है।

सीएमएचओ की रिपोर्ट से खुला फर्जीवाड़े का राज

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कुमार सचिन यादव निवासी ग्वालियर और राजपाल गौर निवासी सीहोर के रूप में हुई है। इन दोनों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सजीवनी क्लिनिक में डॉक्टर के पद पर नियुक्ति पाई थी। इस धोखाधड़ी का भंडाफोड़ तब हुआ, जब दमोह सीएमएचओ कार्यालय ने 16 मई को कोतवाली थाने को एक रेफरिफ्रेशन रिपोर्ट सौंपी। जांच में इन दोनों के शैक्षणिक और रजिस्ट्रेशन दस्तावेज पूरी तरह फर्जी पाए गए, जिसके बाद पुलिस ने जालसाजी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर इन्हें दबोच लिया।

जबलपुर तक फैला नेटवर्क

पकड़े गए आरोपियों से जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की, तो इस खेल में शामिल एक तीसरे चेहरे अजय मौर्य का नाम सामने आया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अजय मौर्य को जबलपुर से हिरासत में लिया, जो वहां के एक सजीवनी क्लिनिक में इन्हीं फर्जी दस्तावेजों के दम पर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहा था। जांच अधिकारियों को अंदेशा है कि यह पूरा मामला एक बड़े संगठित रैकेट से जुड़ा हो सकता है, जो पैसे लेकर फर्जी एमबीबीएस डिग्री, नकली मेडिकल रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में नौकरियां दिलवाने का धंधा चला रहा है।

एमपी के मेडिकल स्टोर्स आज बंद रहेंगे

भोपाल में 3 हजार दुकानों पर असर, दवा की ऑनलाइन बिक्री का विरोध

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में आज यानी 20 मई को दवा दुकानों की हड़ताल रहेगी। भोपाल में 3 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में यह बंद बुलाया है।

भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि जिले के सभी रिटेल और थोक दवा व्यवसायी इस बंद का समर्थन करेंगे और 20 मई को अपनी दुकानें बंद रखेंगे। एसोसिएशन का कहना है कि यह मुद्दा सीधे आम लोगों की सेहत से जुड़ा है। घर-घर पहुंच रही ऑनलाइन दवाओं की गुणवत्ता और निगरानी को लेकर अभी स्पष्ट सिस्टम नहीं है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

अस्पतालों के मेडिकल बंद से मुक्त

एसोसिएशन के अध्यक्ष धाकड़ ने बताया कि ऑनलाइन दवा व्यापार की आड़ में नकली, एक्सपायरी एवं गलत दवाओं के वितरण की संभावनाएं बढ़ रही हैं, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ सकती है।



उन्होंने भोपाल की जनता से इस बंद के कारण होने वाली असुविधा के लिए व्यक्त किया है तथा नागरिकों से अपील की है कि वे 20 मई से पूर्व ही अपनी नियमित उपयोग की आवश्यक दवाओं का संग्रह कर लें।

साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पतालों के अंदर संचालित मेडिकल स्टोर्स को इस बंद से मुक्त रखा गया है, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

यै हैं प्रमुख मांगें

- ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण
 - कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा भारी डिस्काउंट पर रोक
 - नकली और बिना निगरानी वाली दवाओं पर कार्रवाई
 - हृदय, शुगर या बीपी के मरीज हैं तो बरतें सावधानी
- जिन घरों में बुजुर्ग, हृदय रोगी, शुगर या बीपी के नियमित मरीज हैं, वे अपनी जरूरी दवाओं की अग्रिम व्यवस्था 19 मई तक अनिवार्य रूप से कर लें। ताकि 20 मई को होने वाले पूर्ण बंद के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

रंगदारी, ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज जाल, कारोबारी से मारपीट, पैसे मांगे

रियल एस्टेट में साझेदारी का दबाव, भोपाल से महिला हिरासत में

इंदौर। जमीन और शराब के कारोबार से जुड़े एक बड़े व्यवसाई को बंधक बनाकर करोड़ों रुपये की वसूली करने की कोशिश का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, जमीन के कारोबार में जबरन हिस्सा बनाने में नाकाम रहने पर एक महिला और उसके साथियों ने व्यवसायी की गाड़ी को बीच रास्ते में रोक लिया। इसके बाद आरोपियों ने व्यवसायी के साथ मारपीट की और एक करोड़ रुपये न देने की स्थिति में उसके पूरे कुनबे को जान से मारने का भय दिखाया।



इस पूरे घटनाक्रम में एक पुराने और चर्चित ब्लैकमेलिंग गिरोह के जुड़े होने की आशंका जताई जा रही है। इंदौर पुलिस के विशेष दस्ते ने मुस्तेदी दिखाते हुए भोपाल के औद्योगिक क्षेत्र से श्वेता जैन नामक महिला को अपनी गिरफ्त में ले लिया है, जिससे इस पूरे नेटवर्क को लेकर गहन पूछताछ की जा रही है। इस पूरे विवाद की शुरुआत एक सुनियोजित जान-पहचान से हुई। पीड़ित व्यवसायी हितेंद्र सिंह, जो बाणगंगा क्षेत्र के निवासी हैं, उन्होंने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि कुछ दिनों पूर्व उनकी मुलाकात अलका दीक्षित नामक महिला से हुई थी। अलका ने उन्हें लाखन चौधरी नाम

के एक व्यक्ति से मिलवाया, जिसने खुद को कई जिलों का रसूखदार कारोबारी बताते हुए जमीन के धंधे में साथ मिलकर काम करने का लालच दिया।

जबरन हिस्सेदारी की मांग रखी

जब हितेंद्र सिंह ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, तो आरोपियों ने उन पर अलका के नाम 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी का कानूनी दस्तावेज बनाने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया। व्यवसाई ने महिला के पुराने विवाहित इतिहास को देखते हुए इस सौदे से पूरी तरह दूरी बना ली, जिसके बाद आरोपियों ने उन्हें डराना-धमकाना शुरू कर दिया।

एक करोड़ की रंगदारी मांगी

अप्रैल 18 की देर रात जब व्यवसाई सुपर कारिडोर से होकर गुजर रहे थे, तभी अपनी गाड़ी रोककर बात करने के दौरान आरोपियों ने उन्हें घेर लिया। अलका, उसके बेटे जयदीप और लाखन चौधरी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर व्यवसाई पर हमला कर दिया और साफ लफ्फों में कहा कि यदि व्यापार में हिस्सा नहीं देना है, तो एक करोड़ रुपये नकद चुकाने होंगे, अन्यथा अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। आरोपियों ने व्यवसायी के मन में खौफ पैदा करने के लिए उनके परिवार की पल-पल की जानकारी होने का दावा किया और साथ ही कुछ व्यक्तिगत चित्रों व चलचित्रों को सार्वजनिक कर समाज में छवि धूमिल करने की धमकी भी दी।

पुलिस की पड़ताल शुरू

इस घटना से भयभीत व्यवसाई ने पुलिस की शरण ली। इंदौर पुलिस के विशेष दस्ते ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता के तहत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों के फुटेज और फोन पर बातचीत की बारीकी से पड़ताल की जा रही है, जिसके बाद भोपाल से पकड़ी गई महिला को भूमिका का पूरी तरह खुलासा हो सकेगा।

एक्ट्रेस ट्विशा की डेडबॉडी पर मल्टीपल चोटें

एम्स की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर सास बोलीं- केवल सनसनी फैलाने के इरादे से रिपोर्ट बनाई

भोपाल (नप्र)। भोपाल की एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की सदृश परिस्थितियों में मौत मामले ने तूल पकड़ लिया है। एम्स भोपाल की शॉर्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बॉडी पर मल्टीपल चोटों के निशानों का जिक्र है। ट्विशा के परिजन शुरुआत से हत्या की आशंका जता रहे हैं। वहीं, ट्विशा की सास गिरिबाला सिंह और उनके बकील इनोश जॉर्ज कार्लो ने रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं।

उनका कहना है कि रिपोर्ट केवल सेंसेशन फैलाने के इरादे से तैयार की गई है। रिपोर्ट में चोटों का जिक्र है, लेकिन कहां और किसने चोट है, यह स्पष्ट नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सेकेंड पोस्टमॉर्टम या किसी भी एजेंसी से जांच कराने पर हमें कोई

पैरराज नहीं है। हम जांच में सहयोग करेंगे। **बेल्ट नहीं मिलने से अधूरी रह गई फोरेंसिक जांच-** मामले में पुलिस जांच पर सवाल उठ रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार जिस बेल्ट से फांसी लगाने की बात कही गई थी, उसे जांच अधिकारी पोस्टमॉर्टम के समय एम्स भोपाल नहीं ले गए थे। बाद में बेल्ट जांच के लिए सौंपी गई, लेकिन डॉ. कथित फांसी के साधन और गर्दन के निशानों का वैज्ञानिक परीक्षण नहीं कर सके। पोस्टमॉर्टम में हुई चूक के बाद ट्विशा के परिजन ने मामले की जांच मध्य प्रदेश से बाहर किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराने और दिल्ली एम्स में दोबारा पोस्टमॉर्टम की मांग की है।

भोपाल, इंदौर में तेज गर्मी और लू से बाजार-सड़के सूनी

शहडोल में पारा 45 डिग्री पार, कई शहरों में लू जैसे हालात, 3 दिन और तपेगा मग्न

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में गर्मी से पूरा प्रदेश तप रहा है। मंगलवार को राजधानी भोपाल में भीषण गर्मी के कारण दोपहर में बाजार और सड़कें सूनी नजर आईं। इंदौर में दोपहर का सड़कों पर कम ही लोग नजर आए। खजुराहो में मंगलवार को भी पारा 46.4 डिग्री दर्ज किया गया था। शहडोल में 45 शंजपुर में यह 45.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। कई शहरों में टेम्पेचर 45 के पार हो चुका है।

मौसम विभाग ने अगले 3 दिन प्रदेश में भीषण गर्मी और तापमान में 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। प्रदेश के कई शहरों में लगातार लू जैसे हालात बने हुए हैं। इससे जनजीवन प्रभावित होने लगा है। दोपहर के समय लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं।



मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक राहत के आसार नहीं हैं।

22 शहरों में 44 डिग्री के पार पहुंचा पारा-

प्रदेश के कई शहरों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री या उससे ऊपर बना हुआ है। नागव में 46 डिग्री, राजगढ़ में 45.5 डिग्री, रतलाम में 45.4 डिग्री और खंडवा में 45.1 डिग्री दर्ज किया गया था। इंदौर

में 44.3 डिग्री, भोपाल में 44 डिग्री, उज्जैन में 44 डिग्री और जबलपुर में 44.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। कई शहरों में पिछले साल के मुकाबले अधिक गर्मी दर्ज की गई है।

आज भी भीषण गर्मी का अलर्ट- मौसम विभाग ने भिंड, दतिया, निवाड़ी, टोकमगढ़ और छतरपुर में तीव्र लू का अलर्ट जारी किया है। यहां पारा 45 डिग्री या इससे

अधिक रह सकता है।

भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुखानपुर, खंडवा, देवास, सीहोर, विदिशा, रायसेन, नरसिंहपुर, सागर, दमोह, पन्ना, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, शंभूर और मुरैना में भी हीट वेव की चेतावनी दी गई है।

इन जिलों में तेज गर्मी का अनुमान- मौसम विभाग ने जबलपुर, झाबुआ, अलीराजपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पाण्डुरा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौर, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, सतना, मेहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में लू का अलर्ट तो जारी नहीं किया है, लेकिन यहां गर्मी का असर तेज रहेगा।

चेतावनी - दोपहर 12 से 3 बजे तक बाहर न निकलें

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने कहा कि दोपहर 12 से 3 बजे तक ज्यादा असर रहेगा। ऐसे में लोग जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकले। अगले 3 दिन यानी, 17, 18 और 19 मई को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ेगी।

मई के 18 में से 15 दिन गिरा पानी

मध्य प्रदेश में 30 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया था। लगातार 11 दिन यानी 10 मई तक प्रदेश में बारिश हुई। कभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर देखने को मिला तो कभी चक्रवात और टर्फ का। इस वजह से मई के पहले सप्ताह में बारिश हुई। 11 मई को आंधी-बारिश का दौर थमा। लेकिन 12 से 18 मई तक लगातार प्रदेश के किसी न किसी हिस्से में आंधी-बारिश या ओलावृष्टि का दौर बना रहा। इस तरह मई के 18 में से 14 दिन आंधी, बारिश या ओलावृष्टि का असर रहा। मौसम विभाग ने मंगलवार को कहीं भी बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है।

छिंदवाड़ा में पेट्रोल-डीजल का भारी अकाल, पंपों पर लगे 'नो स्टॉक' के बोर्ड

छिंदवाड़ा (नप्र)। जिले में पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की सप्लाई चैन प्रभावित होने और तेल कंपनियों द्वारा सख्त निगरानी व्यवस्था लागू किए जाने के बाद जिले के कई हिस्सों में ईंधन संकट गहरा गया है। सबसे ज्यादा असर कोयलांचल क्षेत्र परासिया में दिखाई दिया, जहां सोमवार को नगर के लगभग सभी पेट्रोल पंप पूरी तरह ड्रॉय हो गए। हालात इतने बिगड़ गए कि कई वाहन चालकों को अपने वाहन धक्का लगाकर ले जाने पड़े।

सुबह से ही पेट्रोल पंपों के बाहर 'नो स्टॉक' और 'ड्रॉय' के बोर्ड लग गए थे। लोग एक पंप से दूसरे पंप तक पेट्रोल की तलाश में भटकते रहे। कई जगहों पर वाहन चालकों और पंप कर्मचारियों के बीच बहस की स्थिति भी बनी। दोपहर तक अधिकांश पंपों पर लंबी कतारें लग गईं और ईंधन खत्म होते ही लोगों में बेचैनी बढ़ गई।

200 से ज्यादा का पेट्रोल नहीं दे रहे पंप संचालक

कंपनियों ने शुरू की सख्त मॉनिटरिंग- जानकारी के अनुसार तेल कंपनियों ने डीलर्स को मौखिक निर्देश जारी कर तय सीमा से अधिक ईंधन बेचने पर रोक लगा दी है। अब हर पेट्रोल पंप के स्टॉक और बिक्री की ऑनलाइन निगरानी सीधे कंपनियों द्वारा की जा रही है। डीलर्स को साफ चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित लिमिट से ज्यादा पेट्रोल या डीजल बेचा गया, तो संबंधित मशीन को तुरंत लॉक कर दिया जाएगा। कंपनियों की ओर से नया टैकर भी तभी भेजा जा रहा है, जब पंप का पुराना स्टॉक पूरी तरह खत्म होने की स्थिति में पहुंच जाए। इससे जिले के कई हिस्सों में सप्लाई बाधित हो रही है।

सीमित मात्रा में मिल रहा ईंधन- ईंधन संकट को देखते हुए पेट्रोल पंप संचालकों ने भी राशनिंग व्यवस्था लागू कर दी है। ज्यादा से ज्यादा लोगों तक ईंधन पहुंच सके, इसके लिए



ग्राहकों को सीमित मात्रा में ही पेट्रोल-डीजल दिया जा रहा है। कई पंपों पर वाहन की टैक

क्षमता का केवल 25 प्रतिशत तक ही ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है।

लागू की गई नई लिमिट

दोपहिया और छोटी कारों को 200 से 500 तक पेट्रोल चार पहिया वाहनों को अधिकतम 50 लीटर पेट्रोल भारी वाहनों को एक बार में अधिकतम 200 लीटर डीजल

इस व्यवस्था के कारण कई वाहन चालकों को बार-बार पंपों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों की परेशानी सबसे ज्यादा बढ़ गई है।

परासिया में सबसे ज्यादा असर

परासिया में संकट की स्थिति सबसे गंभीर रही। नगर क्षेत्र में संचालित पंपों में पेट्रोल पंप सोमवार सुबह से ही खाली हो गए। पंपों पर पेट्रोल खत्म होने की सूचना मिलते ही वाहन चालकों की भीड़ उमड़ पड़ी। कई लोगों ने डिब्बों और कैनों में अतिरिक्त पेट्रोल भरवाने की कोशिश की, लेकिन पंप संचालकों ने ऐसे ग्राहकों को मना कर दिया। शाम के समय कुछ पंपों पर सीमित मात्रा में स्टॉक पहुंचा, जिसके बाद देर रात तक वाहन चालकों की लंबी कतारें लगी रहीं। लोगों को घंटों इंतजार के बाद भी पूरा पेट्रोल नहीं मिल सका।

इन इलाकों में भी बिगड़े हालात

संकट का असर न्यूटन चिखली, रावनवाड़ा बाईपास और खिरसाबोह क्षेत्र में स्थित पेट्रोल पंपों पर भी देखने को मिला। यहां दिनभर उपभोक्ता परेशान होते रहे। कई पंपों पर शाम तक स्टॉक नहीं पहुंचा, जिससे लोगों को दूसरे क्षेत्रों की ओर जाना पड़ा।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर

जानकारों के मुताबिक मध्य पूर्व यानी मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालातों की आशंका के चलते कच्चे तेल की सप्लाई चैन प्रभावित हुई है। इसी के चलते तेल कंपनियों ने सप्लाई और बिक्री पर सख्ती बढ़ा दी है। कंपनियां फिलहाल कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए नियंत्रित वितरण व्यवस्था लागू कर रही हैं। दूसरी ओर, ईंधन संकट की खबर फैलते ही आम लोगों में घबराहट बढ़ गई है। कई लोग एहतियातन अतिरिक्त पेट्रोल-डीजल स्टोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे अचानक मांग बढ़ गई और हालात और खराब हो गए।